राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार 03 जून 2023 वर्ष–6,अंक–129 पृष्ठ–08 मूल्य–01रुपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नोएडा–गाजियाबाद समेत यूपी के 18 जिले बनेंगे सेफ सिटी, महिला सुरक्षा पर योगी सरकार का बड़ा कदम

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार महिलाओं के लिए शहरों में सुरक्षित माहौल सुनिश्चित कराने के लिए 17 नगर निगमों और गाजियाबाद, गौतमबुद्धनगर समेत 18 शहरों को छह महीने में सुरक्षित (सेफ सिटी) बनाएगी। इसके बाद एक साल के भीतर प्रदेश के सभी 75 जिलों के एक-एक निकाय को सेफ सिटी बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने

गुरुवार को मेयर और अध्यक्षों की कार्यशाला में नगर विकास विभाग और गृह विभाग के प्रमुख सचिवों को ये निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने शहरों में बेहतर सुविधाएं देने के लिए निकायों की प्रोत्साहन योजना शुरू करने का ऐलान भी किया। इसके लिए स्वच्छता, शुद्ध पेयजल, अच्छी सड़कें, सेफ सिटी और आत्मनिर्भरता जैसे पांच मानक तय किए हैं। अपने जिले में प्रथम आने वाली नगर पंचायत को एक करोड़, नगर पालिका को दो करोड़ और नगर निगम को 10 करोड़ अतिरिक्त दिए जाएंगे।

सेफ सिटी में ये सुविधाएं मिलेंगी

सिटी बसों में कैमरे, पैनिक बटन लगेंगे

महिलाएं जैसे ही पैनिक बटन दबाएंगी तो कंट्रोल रूम को तुरंत सूचना मिलेगी

प्रमुख चौराहों और बाजारों में पिंक टॉयलेट बनेंगे

पहले चरण वाले शहर

गौतमबुद्धनगर, गाजियाबाद, सहारनपुर, मुरादाबाद, आगरा, झांसी, फिरोजाबाद, मथुरा-वृंदावन, प्रयागराज, लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, मेरठ, शाहजहांपुर, बरेली, अलीगढ़, कानपुर, अयोध्या।

अब रहना मुश्किल है, अलग व्यवस्था करो; मणिपुर में पहाड़ बनाम घाटी का भी संघर्ष

इम्फाल। मणिपुर में बीते एक महीने से हिंसा का दौर चल रहा है। मैतेई और कूकी समुदाय आमने-सामने आ गए हैं, लेकिन इसके चलते क्षेत्रीय संघर्ष भी बढ़ा है। राज्य में फैला तनाव घाटी बनाम पहाड़ का मसला बन गया है। इसकी वजह यह है कि राज्य के पहाड़ी इलाकों में कूकी जनजाति के लोगों की बहुलता है, जबकि राजधानी इम्फाल और आसपास के इलाकों में मैतेई हिंदू समुदाय के लोगों की अच्छी खासी आबादी है। मणिपुर हाई कोर्ट ने पिछले दिनों फैसला दिया था कि मैतेई समुदाय के लोगों को एसटी का दर्जा देने पर विचार होना चाहिए। उसके बाद से ही यह विवाद शुरू हुआ है। कूकी जनजाति के लोग मानते हैं कि यदि मैतेई को एसटी का दर्जा मिला तो फिर वे पहाड़ी क्षेत्रों का रुख करेंगे और इससे उनके अधिकार प्रभावित होंगे। अब इस संघर्ष ने पहाड़ बनाम घाटी का संघर्ष और तेज कर दिया है। कूकी जनजाति के लोगों की मांग है कि इस संकट का समाधान यही होगा कि पहाड़ी इलाकों में उन्हें स्वायत्त प्रशासन दे दिया जाए। इसके अलावा मैतेई समुदाय मानता

मणिपुर में बीते एक महीने से हिंसा का दौर चल रहा है। मैतेई और कूकी समुदाय आमने-सामने आ गए हैं, लेकिन इसके चलते क्षेत्रीय संघर्ष भी बढ़ा है। राज्य में फैला तनाव घाटी बनाम पहाड़ का मसला बन गया है।

है कि ऐसा करना ठीक नहीं होगा और पूरे राज्य का प्रशासन एक समान ही रहना चाहिए। कूकी विधायकों ने तो एक बयान जारी कर कहा कि हमारेलोग अब मणिपुर प्रशासन में नहीं रह सकते। इसकी वजह यह है कि जनजाति समाज के खिलाफ दुष्प्रचार और नफरत बहुत ज्यादा फैलाई जा चुकी है। यहां तक कि मंत्रियों, पुलिस अधिकारियों, अफसरों और महिलाओं तक को नहीं छोड़ा जा रहा है। मणिपुर में घाटी बनाम पहाड़ का मसला विकास को लेकर भी रहा है। घाटी वाले इलाके पहाड़ों की तुलना में अधिक विकसित हैं और रोजगार के अवसर भी अधिक हैं। लेकिन पहाड़ी इलाकों का क्षेत्रफल अधिक है, जबकि आबादी का घनत्व कम है। इसके चलते मणिपुर में घाटी के लोगों की राय रही है कि यदि उन्हें एसटी का दर्जा मिले तो वे भी पहाड़ों में बस सकेंगे। पूर्वोत्तर भारत के ऐसे 10 इलाके हैं, जो संविधान की छठी अनुसूची में आते हैं, जिसके तहत जनजाति समुदायों के अधिकारों को संरक्षित किया गया है। हालांकि मणिपुर में ऐसा नहीं है। यहां बड़ी आबादी जनजाति समुदाय की है, लेकिन ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है, जो छठी अनुसूची के तहत आता हो। अब यह मांग भी जोर पकड़ रही है। यहां तक कि सत्ताधारी भाजपा के भी 7 कूकी विधायकों ने मांग की है कि हिल एरियाज के लिए स्वायत्त प्रशासन की व्यवस्था होनी चाहिए। उनके अलावा 3 अन्य विधायक भी हैं, जो ऐसी ही मांग कर रहे हैं।

क्या है मणिपुर में 90 बनाम 10 फीसदी का बंटवारा-कूकी समुदाय के लोगों का आरोप है कि यह हिंसा मैतेई लोगों ने शुरू की है और उनको लेकर भाजपा सरकार नरम रही है। खुद सीएम बीरेन सिंह भी मैतेई समुदाय से ही आते हैं। एक विधायक ने कहा कि मणिपुर सरकार हमारी रक्षा करने में असफल रही है। इसलिए हमारी मांग है कि कूकी समुदाय की बहुलता वाले पहाड़ी इलाकों के लिए प्रशासन की स्वायत्त व्यवस्था बनाई जाए। वहीं मैतेई समुदाय के लोगों का कहना है कि घाटी में 10 फीसदी इलाका ही आता है और यहां 90 फीसदी लोग बसे हैं। वहीं राज्य का 90 फीसदी हिस्सा पहाड़ी है और यहां सिर्फ 10 पर्सेंट लोग ही रहते हैं।

अयोध्या के अखाड़े में बृजभूषण शरण सिंह को यूपी सरकार ने 144 से पटका

5 जून की रैली को इजाजत नहीं

अयोध्या। महिला पहलवानों के आरोपों में घिरे बीजेपी सांसद और भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को झटका लगा है। बृजभूषण के समर्थन में सरयू तट किनारे बने राम कथा पार्क में 5 जून को कैसरगंज के सांसद द्वारा आयोजित जनचेतना महारैली के कार्यक्रम को करने की जिला प्रशासन ने अनुमति नहीं दी है। फिर भी कार्यक्रम की तैयारियां उनके समर्थकों द्वारा की जा रही है। आस-पड़ोस के जिलों में बैनर और होल्डिंग के माध्यम से लोगों को अयोध्या चलने का आवाहन किया जा रहा है। पूरे जिले में धारा 144 लगे होने की बात बताई गई है। बृजभूषण शरण सिंह ने कार्यक्रम में 10 लाख से अधिक

भीड़ होने की बात कही है। नगर के प्रमुख साधु-संतों का उन्हें समर्थन उन्हें मिल चुका है। प्रशासन ने आस-पड़ोस के जिलों में खुफिया संगठनों को सक्रिय कर दिया है। इससे संख्या बल की सही जानकारी मिल सके। क्षेत्राधिकारी एसपी गौतम के मुताबिक राम कथा पार्क में कार्यक्रम करने की अनुमति उन्हें नहीं दी गई है। क्योंकि 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस का सरकारी आयोजन होना है। इस बात से उन्हें अवगत करा दिया गया है। उन्होंने कहा बाकी अन्य स्थान पर कार्यक्रम करने के लिए उन्होंने अभी कोई आवेदन नहीं किया है। अगर करेंगे तो उस पर जांच की जाएगी। इसके बाद जिला प्रशासन निर्णय लेगा। उन्होंने बताया पूरे जिले में धारा 144 लगी हुई है। प्राइवेट आयोजनों पर पाबंदी है।

पहलवानों को मिला तीसरे बीजेपी सांसद का साथ, मेनका गांधी बोलीं- उन्हें न्याय मिलेगा

नई दिल्ली। WFI प्रमुख बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे पहलवानों को एक और भारतीय जनता पार्टी सांसद का साथ मिलता नजर आ रहा है। मेनका गांधी ने पहलवानों को न्याय मिलने का भरोसा जताया है। इससे पहले महाराष्ट्र से लोकसभा सांसद प्रीतम मुंडे ने प्रदर्शनकारियों के समर्थन की बात कही थी। हरियाणा से सांसद ब्रजेंद्र सिंह ने सहानुभूति जताई थी और विरोध प्रदर्शन को दुखद बताया था। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, श्रीनगर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान मेनका गांधी ने कहा, मुझे भरोसा है कि अंत में उन्हें न्याय मिल जाएगा। खास बात है कि उनके बेटे और सांसद

हरियाणा से सांसद ब्रजेंद्र सिंह ने सहानुभूति जताई थी और विरोध प्रदर्शन को दुखद बताया था। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, श्रीनगर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान मेनका गांधी ने कहा, मुझे भरोसा है कि अंत में उन्हें न्याय मिल जाएगा।

वरुण गांधी हाल के समय में भाजपा सरकार की कई नीतियों पर जमकर सवाल उठाते नजर आए हैं। वरुण और समाजवादी पार्टी के करीब आने की अटकलें भी थीं। मुंडे ने कहा, यह कोई भी सरकार या कोई भी पार्टी हो सकती है। मेरा मानना है कि इस स्तर के आंदोलन को अगर अनदेखा किया जा रहा है, तो यह सही नहीं है। इसे ऐसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। इसपर जरूरी ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, भले ही मैं इस सरकार का हिस्सा हूं, लेकिन हमें यह मानना होगा कि पहलवानों के साथ हमें जिस तरह से बात करनी चाहिए थी, वैसा नहीं हुआ। हरियाणा सांसद सिंह ने पहलवानों की तरफ से मेडल बहाने की कोशिश पर दुख जताया था। उन्होंने कहा था, अपने जीवनभर की मेहनत ओलंपिक्स, सीडब्ल्यूजी, एशियन गेम्स मेडल को पवित्र गंगा में बहाने के करीब आ गए पहलवानों के दर्द और असहाय स्थिति को मैं समझता हूं। यह दुखद है।

बंगलादेश के वित्त मंत्री ने 7.61 लाख करोड़ टका का बजट पेश किया

ढाका। बंगलादेश के वित्त मंत्री ए.एच.एम. मुस्तफा कमाल ने जातीय संगसाद (संसद) में वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 7,61,785 करोड़ रुपये के प्रस्तावित राष्ट्रीय बजट पेश किया। वित्त मंत्री कमाल ने गुरुवार दोपहर देश का बजट पेश किया। यह उनका पांचवां और बंगालदेश के स्वतंत्रता के बाद 52वां बजट है तथा अवामी लीग के अपने तीन कार्यकालों में यह 15वां बजट है। इससे पहले संसद में मत्रिमंडल की बैठक में प्रधानमंत्री शेख हसीना की अध्यक्षता में प्रस्तावित बजट को मंजूरी दी गई थी।

यह बजट वर्तमान संशोधित बजट से 1,01,278 करोड़ रुपये अधिक है। इसमें मुख्य तौर से मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने और ऊंची सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि की गति को बनाए रखने का मुख्य उद्देश्य है।

वित्त मंत्री ने अपने बजट में कुछ उत्पादों और सेवाओं शुल्क या वैट बढ़ाने और कुछ में घटाने का प्रस्ताव दिया है। जिससे उत्पाद और सेवाओं में कुछ कीमतें बढ़ सकती हैं या फिर कुछ अन्य सस्ती हो सकती हैं। जो उत्पाद और सेवाएं महंगी हो सकती हैं उनमें पैन, फेशियल टिश्यू, टॉयलेट टिश्यू, सीमेंट, काजू, बासमती चावल, चश्मा, एलपीजी सिलेंडर, प्लास्टिक उत्पाद, एल्युमिनियम उत्पाद, सिगरेट, खजूर, विदेशी टाइल्स और मोबाइल फोन शामिल हैं।

इसके अलावा जिन उत्पाद और सेवाएं सस्ती हो सकती है उनमें मिष्ठान, मधुमेह-कैंसर-क्षय रोग की दवाएं, हाथ से बने बिस्किट-केक, पशु आहार, ब्लेंडर-प्रेशर कुकर-जूसर, ई-कॉमर्स डिलीवरी शुल्क, हेलीकॉप्टर लीज, कंटेनर, सैनिटरी नैपकिन-डायपर, एलईडी, बल्ब और स्विच-सॉकेट तथा ऑप्टिकल फाइबर शामिल हैं।

सुरक्षाबलों की आंतकियों से मुठभेड़, एक दहशतगर्द मार गिराया, ऑपरेशन अभी भी जारी

जम्मू। जम्मू संभाग के जिला राजोरी के दस्सल इलाके के साथ लगते जंगलों में आतंकियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ हुई है। बताया जा रहा है कि सुरक्षाबलों ने इस मुठभेड़ में एक आतंकी को मार गिराया है। अभी ऑपरेशन जारी है। राजोरी के साथ लगते गांव दस्सल में आतंकियों के होने की सूचना के बाद भारतीय सेना और सुरक्षा एजेंसियों ने बीती रात से ही जवाबी कार्रवाई के लिए ऑपरेशन चला रही है। आज सुबह होते ही भारतीय सेना, जम्मू कश्मीर पुलिस और पैरा मिलिट्री फोर्स के जवानों की आतंकियों के साथ मुठभेड़ शुरू हो गई। आतंकी दस्सल गांव के साथ लगते जंगलों में मौजूद हैं। बताया जा रहा है कि जंगलों में दो से तीन आतंकी मौजूद हो सकते हैं। गौरतलब है कि कुछ दिन पहले ही सुरक्षा एजेंसियों ने राजोरी और उसके आसपास लगते जंगलों में एक दर्जन आतंकियों के घूमने का अनुमान लगाया था। माना जा रहा है कि यह उन्हीं आतंकियों में से कुछ हो सकते हैं। एहतियात के तौर पर राजोरी से लेकर दस्सल गांव एवं इसके

आसपास के क्षेत्रों में भारतीय सेना एवं सुरक्षा एजेंसियों द्वारा सारे रास्ते सील कर दिए हैं। इस क्षेत्र में पड़ने वाले सभी स्कूलों को सुरक्षा की दृष्टि से आज बंद रखा गया है। इसके साथ-साथ गांव के आसपास रहने वाले लोगों को अपने घरों के भीतर ही रहने के लिए कहा गया है। किसी प्रकार की मूवमेंट सड़क एवं रास्तों के माध्यम से रोकी गई है। अभी केवल पैरामिलिट्री फोर्सेस भारतीय सेना एवं सुरक्षा एजेंसियों के लोग ही दस्सल गांव एवं आसपास के रास्तों पर आवाजाही कर रहे हैं।

अमरनाथ यात्रा में खलल डालने की साजिश रच रहे आतंकी

वहीं दूसरी ओर कल ही अमरनाथ यात्रा से पहले बड़े आंतकी हमले का इनपुट सुरक्षा बलों मिला था। जिसके बाद जवान हर गतिविधि पर पैनी नजर बनाए रखे हुए हैं। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की मदद से सीमा पर बैठे आतंकी संगठनों ने आगामी श्री अमरनाथ यात्रा में खलल डालने के लिए साजिश रचनी शुरू कर दी है। आईएसआई के कहने पर पाकिस्तानी रेंजरों और पाकिस्तानी सैनिकों के बंकरों में लश्कर और जैश-ए-मोहम्मद के प्रशिक्षित आतंकियों को पनाह दी गई है।

इन्हें हर हाल में अगले एक महीने में घुसपैठ करने और अमरनाथ यात्रा शुरू होने से ठीक दो-तीन दिन पहले बड़ा हमला करने के निर्देश दिए गए हैं। सूत्रों का कहना है कि सियालकोट के नजदीक शकरगढ़, पुंछ में बिंबर, मीरपुर और कोटली आदि में 30 से 40 प्रशिक्षित आतंकियों को तैयार किया गया है।

बिहार में मिलने वाली है भीषण गर्मी से राहत, होगी झमाझम बारिश

नई दिल्ली। आज का मौसम पूर्वानुमान कुछ इस तरह है। देश के कुछ इलाकों में एक के बाद एक आ रहे पश्चिमी विक्षोभ के कारण लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है। लेकिन अब मौसम फिर बदल सकता है। मौसम विभाग ने इस संबंध में ताजा अपडेट जारी किया है। इसके मुताबिक, अभी कुछ दिनों तक दिल्ली एनसीआर के लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलती रहेगी। वहीं, कुछ दिनों के बाद ही यह बदल जाएगा और लू का दौर चलेगा। वहीं, उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए भी राहत की खबर है। दिल्ली एनसीआर में इस साल प्री-मानसून बारिश ने मई-जून की तपती गर्मी से राहत दी है। पश्चिमी विक्षोभ के कारण कुछ इलाकों में 2-3 दिनों से तेज हवाओं के साथ आंधी चल रही है। इससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग (ढ्ढरूष्ठ) के मुताबिक, सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ का असर आज यानी 2 जून तक जारी रहेगा। इसके कारण दिल्ली समेत हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पंजाब और राजस्थान के कई इलाकों में आंधी के साथ बारिश होगी। मौसम विभाग ने बताया है कि धीरे-धीरे बारिश कम होता जाएगी, लेकिन आसमान में धूल भरे बादल छाए रहेंगे। इससे उमस महसूस की जा सकती है। हालांकि, बादलों के कारण तेज धूप से लोगों को राहत मिलती रहेगी। मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में कहा है कि 8 जून के बाद मौसम पूरी तरह सामान्य हो जाएगा। लोगों को लू का प्रकोप सहना पड़ेगा।

बिहार में भी मिल सकती है गर्मी से राहत

बिहार में इन दिनों भीषण गर्मी का प्रकोप है। हालांकि, मौसम विभाग ने गुड न्यूज दी है।

पश्चिम बंगाल और बिहार में 4 जून से बारिश की संभावना दिख रही है। पूर्वानुमान को देखते हुए इन दोनों राज्यों को येलो अलर्ट पर रखा गया है। इन राज्यों के लोगों को जागरूक रहने का आग्रह किया गया है।

मई में मिली गर्मी से राहत

आईएमडी के मुताबिक, मई का महीना दिल्ली-एनसीआर में ठंडा साबित हुआ। इस महीने का औसत तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। सिर्फ एक दिन 22 मई को ही अधिकतम तापमान 43.7 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया था। मई में लू भी ज्यादा दिनों तक नहीं चलेगी। पिछले साल मई में 20 दिनों तक तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा था और अधिकतम तापमान 45 डिग्री को पार कर गया था।

इन राज्यों में बारिश के अलर्ट

निजी मौसम एजेंसी स्काईमेट के मुताबिक, अगले 24 घंटों में पश्चिमी हिमालय, पंजाब के कुछ हिस्सों, दक्षिण कर्नाटक, आंध्र प्रदेश के तटीय हिस्सों और लक्षद्वीप में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली के कुछ हिस्सों में भी हल्की से मध्यम बारिश और धूल भरी आंधी चलने की संभावना है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पश्चिम मध्य प्रदेश और गुजरात के उत्तरी हिस्सों, दक्षिण मध्य महाराष्ट्र में भी एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश संभव है।

नदियां उफान पर

उत्तराखंड में लगातार हो रही बारिश से नदियां उफान पर हैं। मौसम विभाग ने दो जून तक राज्य में हल्की से मध्यम बारिश और ओलावृष्टि का अलर्ट जारी किया है। राज्य में कई जगहों पर भारी बारिश हुई है, जिससे नदियों में उफान देखा जा रहा है। मौसम विभाग ने नदी किनारे रहने वाले लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। साथ ही चेताया कि ऊंचाई वाले स्थानों पर हल्की बर्फबारी हो सकती है। वहीं, मैदानी इलाकों में 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

चीन से संवाद

भारत और चीन के बीच सीमा गतिरोध दूर करने के लिए कूटनीतिक वार्ता स्वागतयोग्य है, पर अफसोस की बात है कि इसमें भी सिर्फ संवाद जारी रखने पर सहमति बनी है। कूटनीतिक वार्ता का फलित यह है कि जल्द ही सैन्य कमांडरों के बीच 19वें दौर की वार्ता होगी। भारतीय विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा है कि भारत-चीन सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय के लिए कार्य तंत्र (डब्ल्यूएमसीसी) की 27वीं बैठक नई दिल्ली में आयोजित की गई। भारत-चीन के बीच सीमा पर गतिरोध अपने चौथे वर्ष में पहुंचने वाला है और दोनों देशों के बीच अविश्वास निरंतर बना हुआ है। अविश्वास को दूर करने के लिए चीन कुछ भी करने को तैयार नहीं है। चीन वास्तव में सीमा पर घुसपैठ से पीछे हटने को तैयार नहीं है। भारत का स्पष्ट तौर पर कहना है कि सीमा पर चीन के पीछे हटे बिना कोई समाधान नहीं हो सकता। चीनी सत्ता प्रतिष्ठान समझदारी के बजाय साम्राज्यवादी मनसूबे से भरा हुआ है। जब सीमा पर और घुसपैठ का खुला इरादा हो, तो भला वह भारत के साथ किसी समाधान के लिए क्यों तैयार होगा? अभी तक हुई सैन्य और कूटनीतिक वार्ताओं का सीधा अर्थ यही है कि चीन खानापूर्ति या महज दिखावे के लिए इनमें भाग ले रहा है। जब भी दोनों देशों बीच वार्ता की बात होती है, तो जून 2020 में गलवान घाटी में हुआ क्रूर संघर्ष ध्यान में आ जाता है। इस संघर्ष में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए थे, जबकि चीन ने कभी अपने नुकसान के बारे में नहीं बताया। खैर, भारत को संवाद से समाधान खोजने की कोशिश जारी रखनी चाहिए। दुनिया के जिन देशों को मानवता की कोई परवाह नहीं है, उनके साथ भी सिवाय बातचीत के और क्या शालीन समाधान-प्रयास हो सकता है? चीन के इरादे पर दुनिया की निगाह है और होनी भी चाहिए। दक्षिण-पश्चिमी शिंजियांग में होतान एयरफील्ड में चीन ने जो सैन्य ढांचा विस्तार किया है, उसे सैटेलाइट के जरिये दर्ज कर लिया गया है। चीन की यह जगह लद्दाख की राजधानी लेह से लगभग 400 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इस हवाई पट्टी को साल 2002 में बनाया गया था, तीन साल पहले अर्थात गलवान संघर्ष तक यहां कोई खास बदलाव देखने में नहीं आया था। अब ताजा तस्वीरों से पता चलता है कि चीन सीमा पर सैन्य ढांचे को लगातार विकसित कर रहा है। उसने सीमा के करीब कई हवाई अड्डे विकसित किए हैं और जहां विमान व आयुध भंडार भी देखे गए हैं। बहरहाल, यह स्वीकार करने में कोई हर्ज नहीं है कि चीन की वजह से भारत को भी सीमा पर बुनियादी ढांचा विकसित करना पड़ रहा है। रक्षा मंत्रालय के सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के प्रोजेक्ट स्वस्तिक के तहत सिक्किम में 74 किलोमीटर लंबे जवाहरलाल नेहरू मार्ग (जेएनएम) की गुणवत्ता और सुरक्षा में सुधार का काम किया गया है। इस सड़क का उपयोग नाथूला दर्रा और हरभजन बाबा मंदिर के आसपास पर्यटन, कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए और चीन के साथ व्यापार के लिए भी किया जाता है। इसके अलावा नाथूला तक रेल लाइन बिछाने की भी योजना है। यहां भारत का एक मुख्य मकसद पर्यटन व स्थानीय लोगों का विकास भी है। वैसे भी, सीमा पर भारत को कोई बुनियादी विकास केवल युद्ध या सामरिक दृष्टि से नहीं करना चाहिए। किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सक्षम भारत को अपनी दृष्टि व्यापक रखनी चाहिए। यह सभी को साथ लेकर सद्भाव के साथ चलने वाला देश है और उसे अपनी यह कोशिश जारी रखनी चाहिए।

आज का राशिफल

मेष पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ व्यावसायिक योजना सफल होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है।

मिथुन आर्थिक व व्यावसायिक समस्या रहेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

कर्क राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। व्यर्थ के तनाव रहेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक संकट दूर होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा।

तुला गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। खानपान में संयम रखें। धन हानि की संभावना है। फिजूलखर्ची पर नियंत्रण रखें।

वृश्चिक व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। भाई या पड़ोसी का सहयोग रहेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर बेरोजगार व्यक्तियोंको रोजगार मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आपके प्रभाव में वृद्धि होगी। जारी प्रयास सार्थक होंगे।

कुम्भ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। अनावश्यक कार्यो में खर्च करना पड़ सकता है। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। मांगलिक कार्यो में हिस्सेदारी रहेगी। व्यर्थ के तनाव भी मिलेंगे।

सस्ता व सुलभ साधन है साइकिल

(लेखक- रमेश सर्राफ धमोरा)

- 3 जून विश्व साइकिल दिवस पर विशेष

3 जून 2018 को विश्व में पहला विश्व साइकिल दिवस मनाया गया। तब से दुनिया में प्रतिवर्ष साइकिल दिवस मनाया जाने लगा है। इस बार हम छठवां विश्व साइकिल दिवस मना रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र संघ ने परिवहन के सामान्य, सस्ते, विश्वसनीय, स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल साधन के रूप में इसे बढ़ावा देने के लिए विश्व साइकिल दिवस को मनाने की घोषणा की थी। दो सौ साल पहले 12 जून 1817 को जर्मनी के मैनहेम में बैरन कार्ल वॉन ड्रैस ने दुनिया की पहली साइकिल पेश की थी। यह लकड़ी से बना था और इसमें पैडल, गियर या जंजीर नहीं थी। उसने खुद को पहले एक पैर से और फिर दूसरे पैर से धकेला। उन्होंने इसे लॉफमाशाइन (जर्मन में चलने वाली मशीन) कहा। अब तो जापान के फुकुकोआ शहर में छात्रों ने एक ऐसी साइकिल बनाई है जो हवा से चलती है। इसकी अधिकतम रफ्तार 64 किलोमीटर प्रति घंटा है। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड ने इसे कंप्रेस्ड हवा से चलने वाली दुनिया में सबसे तेज साइकिल का सर्टिफिकेट दिया है। भारत की आर्थिक तरक्की में साइकिल ने बहुत अहम भूमिका निभाई है। आजादी के बाद से ही साइकिल देश में यातायात व्यवस्था का अनिवार्य हिस्सा रही है। खासतौर पर 1960 से लेकर 1990 तक भारत में ज्यादातर परिवारों के पास साइकिल थी। यह व्यक्तिगत यातायात का सबसे ताकतवर और किफायती साधन था। गांवों में किसान साप्ताहिक मंडियों तक सब्जी और दूसरी फसलों को साइकिल से ही ले जाते थे। दूध की सप्लाई गांवों से पास से कस्बाई बाजारों तक साइकिल के जरिये ही होती थी। डाक विभाग का तो पूरा तंत्र ही साइकिल के बूते चलता था। आज भी पोस्टमैन साइकिल से चिट्ठियां बांटते हैं। चीन के बाद आज भी भारत दुनिया में सबसे ज्यादा साइकिल बनाने वाला देश है। बच्चे सबसे पहले साइकिल चलाना ही सीखते है। इसलिये बचपन में हम सभी ने साइकिल चलाई है। पहले के जमाने में जिसके पास साइकिल होती थी वह बहुत प्रतिष्ठित व्यक्ति माना जाता था। गांव के लोग जब कभी शहरों में जाते थे। तब लोगों को साइकिल चलाते हुए देखते थे और फिर वे खुद भी धीरे-धीरे साइकिल चलाना सीख जाते थे। पहले शहरों में किराए पर भी साइकिले मिलती थी। देश की युवा पीढ़ी को अब साइकिल के बजाय मोटरसाइकिल ज्यादा अच्छी लगने लगी है। शहरों में मोटरसाइकिल का शौक बढ़ रहा था। गांवों में भी इस मामले में बदलाव की शुरुआत हो चुकी थी। इसके बावजूद भारत में साइकिल की अहमियत खत्म नहीं हुई है। 1990 के बाद से साइकिलों की बिक्री में बढ़ोतरी आई है। लेकिन ग्रामीण इलाकों में इसकी बिक्री में गिरावट आई है। दरअसल 1990 से पहले जो भूमिका साइकिल की थी। उसकी जगह गांवों में मोटरसाइकिल ने ले ली है। इसके उपरांत भी साइकिल आज भी हमारे जीवन का अभिन्न अंग हैं।

खासतौर पर 1960 से लेकर 1990 तक भारत में ज्यादातर परिवारों के पास साइकिल थी। यह व्यक्तिगत यातायात का सबसे ताकतवर और किफायती साधन था। गांवों में किसान साप्ताहिक मंडियों तक सब्जी और दूसरी फसलों को साइकिल से ही ले जाते थे। दूध की सप्लाई गांवों से पास से कस्बाई बाजारों तक साइकिल के जरिये ही होती थी। डाक विभाग का तो पूरा तंत्र ही साइकिल के बूते चलता था। आज भी पोस्टमैन साइकिल से चिट्ठियां बांटते हैं। चीन के बाद आज भी भारत दुनिया में सबसे ज्यादा साइकिल बनाने वाला देश है। बच्चे सबसे पहले साइकिल चलाना ही सीखते है।

देश में लॉकडाउन के दौरान दूसरे प्रदेशों में कमाने गए लाखों लोग साइकिल पर 1000-1500 किलोमीटर की दूरी तय कर अपने घर पहुंचे थे। संकट के समय साइकिल ही उनके घर पहुंचने का एकमात्र साधन बनी थी। लॉकडाउन के दौरान लाखों लोगों के घर पहुंचने का सबसे उपयोगी साधन बनने से लोगों को यह बात अच्छी तरह समझ में आ गयी की साइकिल आज भी आम लोगों का सबसे सस्ता व सुलभ साधन है। अब तो विभिन्न प्रकार के फीचर से लैस गियर वाली कीमती साइकिले बाजार में आ गई है। पहले लोगों के पास सामान्य साइकिले ही हुआ करती थी। जिनके पीछे एक कैरियर लगा रहता था। जिस पर व्यक्ति अपना सामान रख लेता था व जरूरत पड़ने पर दूसरे व्यक्ति को बैठा लेता था। कई बार तो साइकिल सवार आगे लगे डंडे पर भी अपने साथी को बिठाकर 3-3 लोग साइकिल पर सवारी करते थे। साइकिल से वातावरण में किसी तरह का प्रदूषण नहीं होता था। पेट्रोल डलवाने का झंझट भी नहीं था। साइकिल उठाई पैडल मारे और पहुंच गए अगले स्थान पर। पहले के जमाने में साइकिल के आगे एक छोटी सी लाइट भी लगी रहती थी। जिसका डायनुमा पीछे के टायर से जुड़ा रहता था। साइकिल सवार जितनी तेजी से साइकिल चलाता उतनी ही अधिक लाइट की रोशनी होती थी।

तीन साल पहले विश्व साइकिल दिवस के दिन ही भारत की सबसे बड़ी साइकिल निर्माता कम्पनी एटलस बंद हो गयी थी। प्रतिवर्ष 40 लाख साइकिल का उत्पादन करने वाली भारत की सबसे बड़ी व दुनिया की जानी मानी कम्पनी एटलस के बंद होने से साइकिल उद्योग को बड़ा धक्का लगा है। एटलस की फैक्ट्री बंद होने से वहां काम करने वाले करीबन एक हजार लोग बेरोजगार हो गये। एटलस साइकिल कम्पनी की स्थापना 1951 में हुई थी। इसका कई विदेशी साइकिल निर्माता कंपनियों के साथ गठबंधन था। जिस कारण एटलस कम्पनी की साइकिल दुनिया भर की श्रेष्ठ साइकिलों में शुमार होती थी। अमेरिका के बड़े-बड़े डिपार्टमेंट स्टोर में भी एटलस की साइकिले बेची जाती थी। भारत में भी विकसित की जा रही ज्यादातर आधारभूत आधुनिक संरचनाएं मोटर-वाहनों को ही सुविधा प्रदान करने के लिए बन रही हैं। साइकिल जैसे पर्यावरण-हितैषी वाहन को नजरअंदाज किया जा रहा है। जबकि शहरी व ग्रामीण परिवहन में भी साइकिल का महत्वपूर्ण स्थान है। खासतौर से कम आय-वर्ग के लोगों के लिए साइकिल उनके जीविकोपार्जन का एक सस्ता, सुलभ और जरूरी साधन है। यह इसलिए भी कि भारत का कम आय-वर्ग के लोग अपनी कमाई से प्रतिदिन सौ-पचास रुपये परिवहन पर खर्च करने में सक्षम नहीं हैं। भारत सरकार अपनी

साइकिल परिवहन व्यवस्था में कुछ जरूरी मूलभूत सुधार करके आम और खास लोगों को साइकिल चलाने के लिए प्रेरित कर सकती है। सरकार के इस कदम से ऐसे सभी लोग प्रेरणा पा सकते हैं। जिनकी प्रतिदिन औसत यातायात दूरी पांच-सात किलोमीटर के आसपास बैठती हैं। हमारे देश की कई राज्य सरकारें अपने स्कूली छात्र-छात्राओं को बड़ी संख्या में साइकिल वितरण कर रही हैं। जिससे साइकिल सवारों की संख्या में वृद्धि हुई है। 'द एनर्जी ऐंड रिसर्च इंस्टीट्यूट' के अनुसार पिछले एक दशक में साइकिल चालकों की संख्या ग्रामीण क्षेत्रों में 43 फीसदी से बढकर 46 फीसदी हुई है। जबकि शहरी क्षेत्रों में यह संख्या 46 फीसदी से घटकर 42 फीसदी पर आ गई है। इसकी मुख्य वजह साइकिल सवारी का असुरक्षित होना ही पाया गया है।

अब समय आ गया है कि शहर एवं गांवो में साइकिल चालन को एक बड़े स्तर पर प्रोत्साहन देने का। ताकि बढ़ते प्रदूषण को कुछ हद तक रोका जा सके। शहरों में समर्पित साइकिल मार्गों का निर्माण किया जाना चाहिये। हमें विश्व साइकिल दिवस को महज एक सांकेतिक कवायद के रूप में नहीं देखना चाहिये। आज के दिन हमें मन ही मन इस बात का संकल्प लेना चाहिये कि हम हमारे रोजमर्रा के काम साईकिल से पूरा करेगें। तभी सही मायने में साइकिल दिवस मनाना सफल हो पायेगा।

बढ़ते प्रदूषण की वजह से दुनिया के बहुत से देशों में साइकिल चलाने को बढ़ावा दिया जा रहा है। नीदरलैंड की राजधानी एम्सटर्डम में सिर्फ साइकिल चलाने की ही अनुमति है। भारत में भी दिल्ली, मुंबई, पुणे, अहमदाबाद और चंडीगढ़ में सुरक्षित साइकिल लेन का निर्माण किया गया है। उत्तर प्रदेश में भी 200 किलोमीटर लम्बा एशिया का सबसे लंबा साइकिल हाई वे बना है। अभी देश में साइकिल चालकों के अनुपात में साइकिल रोड़ विकसित किए जाने की प्रबल आवश्यकता है। पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से देखा जाए तो दुनिया के देशों में साइकिल की वापसी पर्यावरण की दृष्टि से एक शुभ संकेत माना जा सकता है।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार है। इनके लेख देश के कई समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं।)

शरबतों के राजा को कोई सरहद न रोके

छबीलों की रूह/ अमिताभ स.

शरबतों का राजा रूहअफजा देश के बंटवारे के बाद भारत और पाकिस्तान दो देशों में बनने लगा। फिर 1971 में बांग्लादेश बनने के बाद वहां भी पैर पसार लिए। इस प्रकार 115 साल पहले पुरानी दिल्ली से शुरू हुआ लाल बादशाह आज तीन देशों में छाया है। ख़ासतौर से निर्जला एकादशी और गुरु अर्जुनदेव के शहीदी दिवस पर रूहअफजा के ठंडे पानी और कच्ची लस्सी के बगैर छबीलें अधूरी ही समझी जाती हैं। हर शीतल पेय पीने का शौक़ीन बीते 115 सालों से रूहअफजा शरबत की तासीर को दाद देते नहीं थकता। जो मज़ा पारम्परिक अंदाज के रूहअफजा के शरबत में है, वह किसी अन्य शीतल पेय में नहीं है। इसकी तासीर ऐसी है कि लू से राहत के साथ दिल, गुर्दे और जिगर के लिए भी फ़ायदेमंद है। सात्विक है। शरबतों के राजा रूहअफजा की निर्माता कंपनी हमदर्द की शुरुआत 1906 में हकीम हाफिज अब्दुल मजीद के हाथों हुई थी। पहली दुकान पुरानी दिल्ली के दिल चांदनी चौक से सटे लाल कुआं बाजार में शुरू की गई। यहीं 1907 में हकीम साहब ने यूनानी तौर-तरीके से चिकित्सीय खूबियों से लबालब रुहअफजा शरबत क्या बनाया, धूम ही मच गई। पोलीमेयर की बोतलों में आने से पहले अर्से तक कांच की बोतलों में बंद किया जाता रहा। उन पर चिपका कागजी लेबल भी खास है। इतना खास कि शुरू से आज तक लोगो और लेबल का रंग-ढंग नहीं बदला। नायाब जो है, उसे बनाया था दिल्ली के मशहूर चित्रकार मिर्जा नूर अहमद ने। तब लेबल चिकने कागज पर बॉम्बे (अब मुम्बई) से छपवाया जाता था। रूहअफजा फल-सब्जियों और जड़ी-बूटियों समेत 12 हर्बल इंग्रेडिएंट्स को मिलाकर यूं बनाया गया है कि जिस-जिस ने स्वाद चखा, वही दीवाना होता गया। दिलचस्प बात है कि बोतलों में पैक होकर मिलने से पहले रूहअफजा सालोंसाल तोल कर खुला मिलता रहा। लाल कुआं के दवाखाना में बड़े-बड़े ड्रमों में रखते थे, और खरीदार अपने घर से डोल, या कोई अन्य बर्तन ले कर आते थे। मनमज़ी मुताबिक़ पाव, आधा किलो या किलो तुलवा कर ले जाते थे। साल 1947 तक पुरानी दिल्ली के नागौरी हलवा और निहारी की माफिक इसका भी जादू चल निकला था। बीती सदी के पचास के दशक में पौने एक लीटर की बोतल सवा रुपये में मिलती थी, आज डेढ़ सौ रुपये से ऊपर है। रूहअफजा को कहीं-कहीं 'लाल बादशाह' भी कहा जाता है। बताते हैं कि रूहअफजा नाम पंडित दया शंकर नसीम लखनवी लिखित किताब 'मनसवी गुलजार-ए-नसीम' से लिया गया था। यह किताब में एक चरित्र का नाम था। यह फ़ारसी शब्द है, मतलब है- आत्मा को तृप्त करने वाला। शुरू-शुरू में, इसके इश्तिहारों में दिल्ली के नामी शायर सैल देहलवी (1864-1945) की उर्दू में शे'रो-शायरी छाई रहती थी। शरबतों के राजा के जनक हकीम अब्दुल मजीद का जन्म 1883 में पीलीभीत में हुआ था। उन्होंने मसीहा-ए-हिंद और दिल्ली के कद्दावर यूनानी हकीम अजमल खां की शागिर्दी की। फिर यूनानी दवाओं की मालूमात करने के बाद तुखम-ए-खुरफा, कासनी, मुनक्का, निलोफर, हरा धनिया, खस, संदल, केवड़ा वगैरह के साथ संतरा, गाजर, अन्नानास, तरबूज समेत 5 ताज़ा फलों को मिला कर शरबत बनाया। खास बात है कि इसे आज तक नकल करने की तमाम कोशिशें नाकाम रहीं। कुछ साल पहले तक केवल कांच की पारम्परिक बोतलों में मिलता रहा, दसेक साल से पैट बोतलों में आने लगा। और हालिया सालों में 10-10 रुपये के

सहूलियत भरे सैशे पैक में भी उतर आया है। अब तो शुगर फ्री रूहअफजा लाइट भी बाज़ार में है। हाल में रेडी टु ड्रिंक रूहअफजा मिल्क शेक भी पेश किया गया है। गर्मियों में लगती छबीलों में दूधिया रूहअफजा का चलन दशकों से जारी है। रमज़ान के दिनों में तो इससे मुस्लिम बिरादरी का बड़ा जुड़ाव है। यही शरबत पीकर रोज़े खोले जाते हैं। आज भी पुरानी दिल्ली के लाल कुआं में हमदर्द दवाखाना है, जहां पहले-पहल रूहअफजा बना था। खपत बढ़ी, तो रूहअफजा का उत्पादन ग़ाज़ियाबाद स्थित फ़ैक्टरी से होने लगा। बंटवारे के वक्त हमदर्द लैबोरेटरीज का एक भाई कराची जाकर बस गया। उसने वहां भी रूहअफजा बनाना शुरू किया और खूब वाहवाही बटोरी। 1971 में ईस्ट पाकिस्तान अलग देश बांग्लादेश बना, तो वहां भी रूहअफजा बनने लगा। इस प्रकार पुरानी दिल्ली से शुरू शरबतों का राजा दशकों से तीन देशों में बन रहा है। कंपनी के भारतीय सर्वेसर्वा हकीम अब्दुल हमीद का 1999 में देहांत हो गया। उन्होंने ही जामिया हमदर्द यूनिवर्सिटी की स्थापना की थी। सामाजिक सरोकारों के लिए उन्हें 1965 में पद्मश्री और 1991 में पद्मभूषण से नवाज़ा गया। वह बताते थे, '1947 में मेरे दादा जी हकीम हाफिज अब्दुल मजीद और उनके दोनों बेटे हिंदुस्तान में ही रह गए। दादा जी के छोटे भाई हकीम मुहम्मद सैयद पाकिस्तान चले गए। मेरे दादा जी यहीं रह गए क्योंकि वह कहते थे कि मैं अपनी मातृभूमि को छोड़कर कहीं नहीं जाऊंगा।'

आंदोलनरत महिला खिलाड़ी प्रताड़ना नहीं सम्मान के हकदार

(लेखक- सनत जैन)

भारत की आंदोलनकारी महिला खिलाड़ियों को यह समझ में आने लगा है, कि सराहना कुछ समय के लिए ही मिलती है। उसके बाद तो उन्हें अपने वर्चस्व को बनाए रखने के लिए कदम-कदम पर संघर्ष करना ही पड़ता है। वैश्विक स्तर का मेडल हासिल करने के बाद जब महिला खिलाड़ी भारत आई थी, तो एयरपोर्ट से लेकर प्रधानमंत्री, खेल मंत्री, मुख्यमंत्री सब ने उनका सम्मान किया। उत्साह बढ़ाने के लिए उन्हें पुरस्कृत भी किया। पहली बार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का गौरव बढ़ाने वाली महिला खिलाड़ियों को यौन उत्पीड़न की शिकायत करने के बाद, न्याय मिलना तो दूर, उनका जो सम्मान था, वह भी चला गया। जिस तरीके से उन्हें अपने ही देश में प्रताड़ित किया जा रहा है। उसके बाद कई नए सवाल भारत की न्याय व्यवस्था को लेकर भी खड़े हो रहे हैं। क्या भारत में दो तरह के कानून है। एक सरकार जैसा चाहे कानून का उपयोग कर सके। दूसरा उनके लिए जिन्हें सरकार जिस तरह से प्रताड़ित करना चाहे, उसे प्रताड़ित कर सके। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद जिन महिला खिलाड़ियों की एफआईआर दर्ज हुई। उन्ही महिला खिलाड़ियों के चरित्र पर किस तरह की उंगली उठाई जा रही है। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद, दिल्ली पुलिस ने दर्ज एफआईआर पर, कार्रवाई करने के स्थान पर जांच के नाम पर दोषी को बचाने का शर्मनाक प्रयास कर रही है। पास्को एक्ट में तुरंत गिरफ्तारी के नियम की व्यवस्था होने के बाद भी, दिल्ली पुलिस आरोपी को गिरफ्तार करने के स्थान पर, शिकायत दर्ज करने वालों पर ही उत्पीड़न की कार्रवाई कर रही है। उसका असर अब सारे देश में देखने को मिलने लगा है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय गौरव प्राप्त खिलाड़ियों को जहां सम्मान और विशेषाधिकार प्राप्त होते हैं। उसके स्थान पर जिस तरह से आंदोलन के दौरान जंतर-मंतर से उन्हें अमानवीय ढंग से गिरफ्तार किया गया। इसे सारे देश ने देखा। महिला खिलाड़ियों ने यौन उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाने में इतनी देर क्यों लगाई। इस संबंध में जब पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि यदि उस समय हम यौन उत्पीड़न की शिकायत करते, तो हमारे परिवार के लोग हमें ट्रेनिंग और खेलने से ही रोक देते। हमारी शादियां करवा देते। अन्तरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा जीतने के बाद भी यौन उत्पीड़न रुक नहीं रहा था। जिसके कारण हमें यह लड़ाई लड़नी पड़ रही है। इस घटना की बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हुई है। इसके बाद भी सरकार, खेल मंत्रालय, दिल्ली पुलिस आरोपी को बचाने का हर संभव प्रयास कर रही है। केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी की छवि इस कारण विपरीत असर पड़ रहा है। महिला और युवा जो हिंदुत्व के नाम पर आंख मूंदकर भारतीय जनता पार्टी को समर्थन करते थे। आंदोलनकारी सभी खिलाड़ी हिंदू ही हैं। केन्द्र सरकार में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के रहते हुए, हिंदू खिलाड़ियों, जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के तिरंगे हिन्दू हृदय सम्राट को फैराकर, जिन्होंने भारत का सम्मान बढ़ाया था। उनके साथ जो दुर्वव्यवहार हो रहा है। यौन उत्पीड़न के साथ-साथ उनके चरित्र पर जो गलत आरोप लगाए जा रहे हैं। उससे महिला खिलाड़ी हतप्रभ हैं। इसका असर अब न्यायपालिका की साख पर भी पड़ने लगा है। महिला पहलवान न्याय के लिये सुप्रीम कोर्ट याचिका लेकर गए थे। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप से एफआईआर दर्ज हुई। पॉक्सो एक्टमें एफआईआर होने के बाद भी दिल्ली पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार नहीं करना भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में न्यायपालिका की स्थिति, विशेष रूप से सुप्रीम कोर्ट की अधिकारिता को लेकर दो तरह के कानून बन गए है। सक्षम के लिये अलग कानून, कमजोर के लिये अलग कानून। आम आदमी संसय में हैं। जब सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद भी अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त महिला खिलाड़ियों के साथ न्याय नहीं हो पा रहा है। तो न्याय कैसे मिलेगा, आम लोगों के मन में न्याय पालिका के प्रति अविश्वास देखने को मिल रहा है। भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए कहीं से भी इसे अच्छा नहीं कहा जा सकता है। पास्को एक्ट के आरोपी सांसद की गिरफ्तारी नहीं होने तथा नवीन संसद के शुभारंभ समारोह में वीवीआइपी गेस्ट का दर्जा मिलना महिला खिलाड़ियों के घावों में नमक डालने जैसा था। देश एवं विदेशों में इसकी बड़ी तीव्र प्रतिक्रिया हो रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका के डेट डिफॉल्ट होने का खतरा टला, सीनेट ने पास किया बिल

मुंबई । अमेरिकी सीनेट ने देश को डिफ़ॉल्ट होने से रोकने के लिए ऋण सीमा बढ़ाने संबंधी बिल गुरुवार देर रात पारित किया। इसे अब अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के पास हस्ताक्षर करने के लिए भेजा गया है। बाइडन और प्रतिनिधिसभा के अध्यक्ष केविन मैकार्थी के बीच जिस समझौता पैकेज पर सहमति बनी है, उससे रिपब्लिकन और डेमोक्रेट सांसद दोनों ही पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं। द्विदलीय मतदान में 36 के मुकाबले 63 मतों से सीनेट ने बिल को पारित किया। सीनेट में बहुमत के नेता चक शूमर ने कहा कि बिल के पारित होने का मतलब है कि अमेरिका राहत की सांस ले सकता है। उन्होंने कहा कि देन-दारियों में चूक न हो इसलिए यह समझौता किया गया है। इसका मतलब है कि इस अब अमेरिकी सरकार तय लिमिट से अधिक ऋण ले सकती है। बता दें कि अमेरिका की संसद ने कानून बनाकर इस कर्ज को लेने की सीमा तय की हुई है, जिसे ऋण सीमा कहा जाता है। अमेरिकी संविधान के अनुसार कांग्रेस (संसद) को सरकारी खर्च को नियंत्रित करने का अधिकार दिया गया है। इसी के साथ 31.4 ट्रिलियन डॉलर की ऋण सीमा हटाने से अमेरिकी सरकार को अपने ऋण पर चूक से निपटने में मदद मिलने की उम्मीद है।

आईटी शुल्क पर भारत और यूरोपीय संघ करेगा चर्चा

नई दिल्ली । भारत और यूरोपीय संघ (ईयू) विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में चल रहे सूचना तकनीक (आईटी) शुल्क विवाद के समाधान पर विचार कर रहे हैं। इस मामले से जुड़े लोगों ने कहा कि भारत द्वारा लगाए गए आईटी शुल्क के विवाद पर आपसी सहमति योग्य समाधान निकालने पर बातचीत के लिए भारत और यूरोप के अधिकारी बैठक करेंगे। अप्रैल में डब्ल्यूटीओ के विवाद निपटान निकाय ने कहा था कि भारत ने बहुपक्षीय व्यापार निकाय के सूचना तकनीक समझौते (आईटीए) के तहत शून्य शुल्क प्रतिबद्धता का उल्लंघन किया है। इस तरह के तीन अलग अलग मामले यूरोपीय संघ, जापान और चीनी ताइपे ने उठाए थे, जो एकसमान थे। उनकी सुनवाई के बाद डब्ल्यूटीओ ने यह फैसला सुनाया था। उसके बाद भारत ने कहा कि वह फैसले के खिलाफ अपील करेगा, हालांकि कहना सांकेतिक ही था, क्योंकि डब्ल्यूटीओ का शीर्ष अपील प्राधिकरण इस समय काम नहीं कर रहा है। इसकी वजह से भारत ने यह भी कहा था कि इस फैसले का भारत पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। बताया जा रहा है कि भारत की अपील के पहले ईयू चाहता है कि उसको हुए नुकसान के मुताबिक विशेष प्रकृति की चर्चा की जाए और देखा जाए कि इसका क्या रास्ता निकल सकता है।

कोयला उत्पादन मई में बढ़कर 7.62 करोड़ टन पहुंचा

मुंबई । भारत में कोयले का उत्पादन मई में सालाना आधार पर 7.10 प्रतिशत बढ़कर 7.62 करोड़ टन हो गया। कोयला मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि देश ने 2022 के इसी महीने में 7.12 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया था। बयान के मुताबिक कोयला मंत्रालय ने मई 2023 में कुल कोयला उत्पादन में पर्याप्त वृद्धि दर्ज कर एक उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इस दौरान उत्पादन मई 2022 के 7.12 करोड़ टन के मुकाबले 7.10 प्रतिशत बढ़कर 7.62 टन हो गया। इसी तरह वित्त वर्ष 2023-24 में अप्रैल-मई के दौरान कुल कोयला उत्पादन सालाना आधार पर 13.84 करोड़ टन से बढ़कर 14.94 करोड़ टन हो गया। पिछले महीने कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने 5.99 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया, जो सालाना आधार पर 9.54 प्रतिशत अधिक है।

एंड्रॉयड फोन में अचानक कॉन्टेक्ट लिस्ट गायब जो जाए तो सिंक ऑप्शन करें एनेबल

नई दिल्ली ।

अगर आपके एंड्रॉइड फोन से कॉन्टेक्ट लिस्ट अचानक गायब हो जाए तो सै टिंग्स में जाकर उसका सिंक ऑप्शन एनेबल कर दें, खोए हुए कॉटेक्ट वापस आ जाएंगे। ज्यादातर मामलों में नया फोन लेने वाले यूजन को अचानक से डिवाइस में कॉन्टेक्ट लिस्ट डिसअपीयर होने की परेशानी आई है। ऐसा अनेक यूजर्स के साथ हुआ है। दरअसल गूगल ने हाल ही में कॉन्टेक्ट सिंक ऑप्शन को लेकर कुछ बदलाव किए हैं। इस बदलाव की वजह से यूजर को उनके कॉन्टेक्ट्स सिंक करने को लेकर कुछ परेशानी आ सकती है। विशेषज्ञ बताते हैं` कि गूगल के इस नए अपडेट के बाद यूजर्स कॉन्टेक्ट सिंक को लेकर कुछ नई स्थितियों से गुजर सकते हैं। अगर यूजर गूगल कॉन्टेक्ट्स में सिंक ऑप्शन को टर्न ऑफ कर लेता है तो पहले सिंक किए हुए सारे कॉन्टेक्ट्स को एंड्रॉइड डिवाइस से खो सकता है। ऐसी स्थिति में यूजर पुराने सिंक गए कॉन्टेक्स्ट्स को पुराने डिवाइस में तो पा सकेगा, लेकिन नए कॉन्टेक्ट्स को किसी नए डिवाइस में कैरी फॉरवर्ड नहीं कर सकेंगे। यह नया बदलाव गूगल प्ले सर्विस वी23.20 के रोलआउट होने के बाद देखा जा सकेगा।

इतना ही नहीं, अगर गूगल यूजर सिंक कॉन्टेक्ट सेटिंग को रिफ्रेश करना चाहे तो इसके लिए उसे कॉन्टेक्ट सिंक वाले गूगल अकाउंट को डिलीट करने की जरूरत होगी।

हालांकि, अगर यूजर के पास केवल एक ही गूगल अकाउंट है तो इसी डिलीट करने पर यूजर गूगल की दूसरी सर्विस जैसे यूट्यूब, मैप, ड्राइव, जीमेल का भी इस्तेमाल नहीं कर सकेगा। अगर आप भी कॉन्टेक्ट सिंक ऑप्शन ऑफ करने की वजह से अपने कुछ कॉन्टेक्ट्स को खो चुके हैं तो इन्हें वापिस पाया जा सकता है। खोए हुए कॉन्टेक्ट्स को वापिस पाने के लिए कॉन्टेक्ट सिंक सेटिंग को एनेबल करना जरूरी होगा। इसके लिए सबसे पहले सेटिंग ऑप्शन पर आना होगा। इसके बाद पासवर्ड और अकाउंट्स पर क्लिक कर गूगल अकाउंट को सेलेक्ट करना होगा। यहां कॉन्टेक्ट्स के लिए टोगल को एनेबल करना होगा। दरअसल यूजर जब एक नए एंड्रॉइड फोन को खरीदता है तो उसे पुराने डिवाइस से नए डिवाइस में डेटा शेयरिंग के लिए गूगल की यह सुविधा काम आती है। यहां डेटा शेयरिंग का मतलब केवल पुराने फोन के कॉन्टेक्ट्स डेटा से है। कॉन्टेक्ट सिंक फीचर की मदद से यूजर को पुराने फोन से नए में कॉन्टेक्ट्स को आसानी से ट्रांसफर कर सकता है।

रुपया बढ़त पर बंद

मुंबई । अमेरिकी डॉलर के मुकाबले शुक्रवार को भारतीय रुपया सात पैसे की बढ़त के साथ 82.38 पर बंद हुआ। विदेश में डॉलर के कमजोर होने और घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख के बीच शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 10 पैसे बढ़कर 82.30 पर पहुंच गया। वहीं अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.31 पर खुला और फिर पिछले बंद के मुकाबले 10 पैसे की बढ़त के साथ ही 82.30 तक पहुंच गया। रुपया गत दिवस डॉलर के मुकाबले 82.40 पर बंद हुआ था। इसी बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 फीसदी गिरकर 103.47 पर आ गया।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने 500 करोड़ का क्यूआईपी किया लांच

मुंबई। बैंक ऑफ महाराष्ट्र ने स्टॉक एक्सचेंजों को बताया कि उसके बोर्ड ने 29.98 रुपए प्रति शेयर के न्यूनतम मूल्य वाले शेयरों के क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) को मंजूरी दे दी है। यह बीएसई पर गुरुवार के बंद भाव 31.34 रुपए से 4.33 फीसदी कम है। हालांकि बैंक ने यह जानकारी नहीं दी कि वह क्यूआईपी के जरिए कितना फंड जुटाने की योजना बना रहा है। इससे पहले एक रिपोर्ट में बताया था कि बैंक ऑफ महाराष्ट्र संस्थागत निवेशकों से 1,000 करोड़ रुपए तक जुटाने की योजना बना रहा है क्योंकि बैंक जल्द ही क्यूआईपी लॉन्च कर सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंक ने फिलहाल 500 करोड़ रुपए का क्यूआईपी लॉन्च किया है। अगर रिस्पॉन्स अच्छा मिलता है तो इसे 1,000 करोड़ रुपये तक बढ़ाया जाएगा। कंपनियों के लिए क्यूआईपी घरेलू बाजार से पूंजी जुटाने की एक प्रक्रिया है। इसके लिए मार्केट रेगुलेटर सेबी की मंजूरी लेने की आवश्यकता नहीं होती है। कंपनियां नियमों के अनुसार क्यूआईपी के लिए शेयरों की कीमत तय करती है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 119 अंक, निफ्टी 36 अंक उछला

मुम्बई ।

शेयर बाजार शुक्रवार को बढ़त के साथ ही बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। इससे बाजार लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुआ। आज के कारोबार के दौरान तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 118.57 अंक करीब 0.19 फीसदी बढ़कर 62,547.11 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय सेंसेक्स 62,719.84 तक ऊपर जाने के बाद नीचे आकर 62,379.86 तक फिसल गया। वहीं इसी प्रकार पचास शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 36.15 अंक तकरीबन 0.2 फीसदी बढ़ा। दिन के अंत में निफ्टी 18,523.90 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान ये 18,573.70 की उंचाई तक जाने के बाद 18,478.40 तक फिसला।

वहीं गत कारोबारी सत्र में बाजार गिरावट पर बंद हुआ था। आज के कारोबार में सेंसेक्स के शेयरों में से 16 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए। टाटा स्टील के शेयर सबसे अधिक 2.12 फीसदी तक ऊपर आये। वहीं मारुति, महिंद्रा एंड महिंद्रा, सन फार्मा और लार्सन एंड टूब्रो के शेयर भी उछले हैं। दूसरी ओर सेंसेक्स के शेयरों में 14 शेयर नुकसान के साथ ही लाल निशान पर बंद हुए। इंफोसिस के शेयर सबसे अधिक , करीब 1.51 फीसदी तक गिरे। इसके अलावा विप्रो, एचसीएल टेक, टीसीएस और इंडसइंड बैंक के शेयरों को भी नुकसान हुआ।

इससे पहले आज सुबह वै श्विक बाजार से मिल रहे अच्छे संकेतों से बाजार में बढ़त देखने को मिली। सेंसेक्स 216.55 अंक की बढ़त के साथ 62,645.09 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 68.10 अंक की बढ़त के साथ 18555.30 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। प्री-ओपनिंग में बाजार में बढ़त देखने को मिली है। सेंसेक्स 154.32 अंक की बढ़त के साथ 62,582.86 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी 59.55 अंक की बढ़त के साथ 18547.30 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। अमेरिका में रातों-रात डाओ जोंस 0.5 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं एशियाई बाजार भी मजबूत कारोबार करते नजर आये।

एचसीएल टेक ने किया मानव संसाधन नीति में परिवर्तन, कर्मचारियों की मासिक सैलरी पर होगा असर

मुंबई ।

दिग्गज आईटी कंपनी एचसीएल टेक ने अपनी एचआर पॉलिसी में बदलाव किया है। कंपनी द्वारा अपनी मानव संसाधन नीति में परिवर्तन करने से कंपनी के बहुत से कर्मचारियों का वेतन कम होगा। एचसीएल ने एंगेजमेंट परफॉर्मेंस बोनस से जुड़ी अपनी पॉलिसी में बदलाव किया है। एंगेजमेंट परफॉर्मेंस बोनस कर्मचारियों के वेरिएबल पे का ही एक भाग है। कंपनी ने अब मासिक की बजाय तिमाही आधार पर ईपीबी देने का फैसलो किया है। ईपीबी का भुगतान न केवल अब तिमाही आधार पर होगा बल्कि बेंच पर मौजूद कर्मचारियों को ये दिया ही नहीं जाएगा। इसका असर यह होगा कि उन्हें मासिक वेतन के रूप में कम पैसे मिलेगा। कंपनी पहले ईपीबी का भुगतान मंथली बेसिस पर करती थी। एचसीएल का कहना है कि कोरोना के दौरान बिना परफॉर्मेंस का मूल्यांकन किए सभी कर्मचारियों को ईपीबी का 100 फीसदी भुगतान किया था। अब संकट का दौर गुजर चुका है, तब कंपनी ने अपनी मूल पॉलिसी में कुछ बदलाव किए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने ईपीबी में बदलाव की जानकारी कर्मचारियों को ईमेल के जरिए दी है। मेल में लिखा है कि कर्मचारियों को एक अप्रैल 2023 से माई परफॉर्मेंस में तिमाही मैनेजर फीडबैक के आधार पर ईपीबी का भुगतान होगा। हर तिमाही के अंत में स्कोर बेस्ड परफॉर्मेंस की समीक्षा होगी। उसी आधार पर ईपीबी का निर्धारण होगा। वहीं जब तक कर्मचारी बेंच पर हैं, उन्हें ईपीबी भुगतान नहीं किया जाएगा। कंपनी की नई पॉलिसी में कहा गया है कि अगर कर्मचारी तिमाही के बीच में नौकरी छोड़ देते हैं, तब उस कर्मचारी को ईपीबी का लाभ नहीं मिलेगा। कंपनी का कहना है कि ईपीबी आमतौर पर कंपनी द्वारा दिए जाने वाले कुल कंपनसेशन का 3 से 4 फीसदी होता है।

अदाणी पोर्ट्स का कार्गो वॉल्यूम मई में रिकॉर्ड स्तर पर

नई दिल्ली । अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक ज़ोन लिमिटेड का मासिक कार्गो वॉल्यूम साल-दर-साल 19 फीसदी बढ़कर मई में रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया है। एक्सचेंज फाइलिंग के अनुसार अदाणी समूह की कंपनी ने मई में अपने बंदरगाहों पर 36 मिलियन मीट्रिक टन कार्गो का प्रबंधन किया है। इस वर्ष अभी तक कुल कार्गो वॉल्यूम साल-दर-साल 16 फीसदी बढ़कर लगभग 68.5 मिलियन मीट्रिक टन हो गया है। अदाणी पोर्ट्स ने कहा कि कार्गो वॉल्यूम में वृद्धि बंदरगाहों और इसके तीनों खंडों में हुई है। कंटेनर कार्गो वॉल्यूम में 24 फीसदी की वृद्धि हुई, ड्राई बल्क वॉल्यूम में 12 फीसदी की वृद्धि हुई और तरल और गैस की मात्रा में साल-दर-साल आधार पर 10 फीसदी की वृद्धि हुई है। पोर्ट ऑपरेटर के लॉजिस्टिक वॉल्यूम भी महत्वपूर्ण उछाल दिखाई दिया है, जिसमें रेल की मात्रा साल-दर-साल 25 फीसदी बढ़कर लगभग 93,000 बीस-फुट समकक्ष यूनिट हो गई।

आरबीआई ने शुरू किया 100 दिन 100 पे का अभियान

- बैंकिंग प्रणाली में लावारिस जमा को सही मालिकों को वापस करने के लिए शुरू किया गया अभियान

नई दिल्ली ।

देश के बैंकों में लावारिस पड़े हजारों करोड़ रुपए की जानकारी हासिल करने और उनके निपटारे के लिए रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार से 100 दिन 100 पे अभियान का शुरू किया है। आरबीआई यह अभियान बैंकिंग प्रणाली में लावारिस जमा की मात्रा को कम करने और ऐसी जमा राशि को उनके सही मालिकों को वापस करने के लिए कर रहा है। आरबीआई के इस अभियान के तहत 100 दिनों के अंदर भारत के हर एक जिले में हर एक बैंक में जमा 100 अनक्लेम्ड डिपॉजिट रकम का पता लगाकर उनका निपटारा किया जाएगा। रिजर्व बैंक ने अपने इस अभियान के बारे में कहा कि इस तरह से बैंकिंग सिस्टम में जमा लावारिस रकम की मात्रा को कम किया जा सकेगा और डिपॉजिट को उनके सही मालिकों और दावेदारों तक पहुंचाया जा सकेगा। अनक्लेम्ड डिपॉजिट उन्हें कहा जाता है, जिसे 10 साल या उससे भी अधिक समय से किसी तरह का ट्रांजेक्शन नहीं किया गया हो। बैंकिंग सिस्टम में इसे इनएक्टिव डिपॉजिट माना जाता है।

पब्लिक सेक्टर के बैंकों ने फरवरी, 2023 तक बिना दावे वाली करीब 35,000 करोड़ रुपए की राशि रिजर्व बैंक को ट्रांसफर की थी, यह राशि उन खातों में जमा थी जिनमें 10 साल या उससे अधिक समय से कोई लेन-देन नहीं हुआ। ये रकम अलग-अलग बैंकों के 10.24 करोड़ खातों से संबंधित थी। आरबीआई ने कहा कि ऐसे मामले भी सामने आए हैं, जब किसी डिपॉजिटर के मृत्यु के बाद उनके नामिती, कानूनी उत्तराधिकारी संबंधित बैंक (बैंकों) पर दावा करने के लिए आगे नहीं आते हैं। वर्तमान में देश के सबसे बड़े बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के पास लावारिस जमा राशि सबसे ज्यादा है। एसबीआई के पास 8,086 करोड़ रुपए की लावारिस जमा राशि है। दूसरे नंबर पर पंजाब नेशनल बैंक है जिसके पास 5,340 करोड़ रुपए का लावारिस जमा है। इसके बाद केनरा बैंक 4,558 करोड़ रुपए और उसके बाद बैंक ऑफ बड़ौदा है, जिसके पास 3,904 करोड़ रुपए का लावारिस जमा है।

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी

नई दिल्ली ।

वैश्विक बाजारों में कीमती धातुओं में तेजी की वजह से सराफा बाजार में सोने और चांदी की वायदा कीमतों में तेजी लौट आई है। सोने व चांदी के वायदा भाव शुक्रवार को तेजी के साथ खुले। चांदी के वायदा भाव अब 72 हजार रुपए और सोने के वायदा भाव 60 हजार रुपए से ऊपर कारोबार कर रहे हैं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर शुक्रवार को चांदी का बेंचमार्क जुलाई कॉन्ट्रैक्ट 405 रुपए की तेजी के साथ 72,999 रुपए के भाव पर खुला। सुबह 235 रुपए की तेजी के साथ 72,829 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। पिछले महीने चांदी के वायदा भाव 78 हजार रुपए किलो को पार कर सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गए थे। एमसीएक्स पर सोने का बेंचमार्क अगस्त कॉन्ट्रैक्ट 67 रुपए की तेजी के साथ 60,301 रुपए के भाव पर खुला। फिलहाल यह 106 रुपए की तेजी के साथ 60,340 रुपए के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 60,355 रुपए के भाव पर दिन का उच्च स्तर और 60,301 रुपएके भाव पर निचला स्तर छू लिया। पिछले महीने इसने 61,845 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था।

लोंगी ग्रीन एनर्जी टेक्नोलॉजी ने प्रमुख उपकरणों की कीमत घटाई

नई दिल्ली ।

चीन स्थित दुनिया की सबसे बड़ी सोलर मैन्युफैक्चरिंग कंपनी लोंगी ग्रीन एनर्जी टेक्नोलॉजी ने प्रमुख उपकरणों के दाम 31 फीसदी तक घटा दिए हैं। कंपनी का कहना है कि इस सेक्टर में मैन्युफैक्चरिंग क्षमता लगातार बढ़ रही है। इसके चलते लागत प्रतिस्पर्धा भी बढ़ रही है। वेफर्स सिलिकॉन से बने चौकोर टुकड़े होते हैं, जिन्हें सोलर पैनल में लगाया जाता है। इस कटौती से पहले ही फरवरी से अब तक सोलर सिलिकॉन के दाम 50 फीसदी से ज्यादा घट गए थे। मामले से जुड़े जानकारों के मुताबिक बीते साल इंडस्ट्री में सप्लाई चेन का संकट पैदा हो गया था। इसके चलते कुछ मटेरियल की शॉर्टेज हो गई थी लेकिन कुछ नई फैक्ट्रियों ने उत्पादन बढ़ाया। इसकी वजह से ये किल्लत कम हो गई और कीमतों में कमी आई। बीते सप्ताह लोंगी के प्रेसिडेंट ली जेंगुओ ने चेतावनी दी थी कि सोलर सप्लाई चेन में तेज विस्तार की वजह से मैन्युफैक्चरिंग क्षमता में काफी बढ़ोतरी हो सकती है। इसके चलते कुछ वर्षों में इस सेक्टर की आधे से ज्यादा कंपनियां कारोबार से बाहर हो सकती हैं। कीमतें कम होने के बाद लोंगी के शेयरों में 2 फीसदी से ज्यादा गिरावट आई।

मैकडॉनल्ड्स भारत में 501 स्टोर के सबसे बड़ा बर्गर ब्रांड

दूसरे नंबर पर 391 स्टोर के साथ बर्गर किंग

नई दिल्ली ।

प्रमुख निवेश बैंकिंग फर्म द्वारा प्रकाशित श्वेतपत्र टॉप बर्गर चेंन इन इंडिया बर्गर उद्योग में शीर्ष संगठित खिलाड़ियों की सूची देता है। रिपोर्ट में कहा गया हैं कि यूएस आधारित वैश्विक बर्गर चेन मैकडॉनल्ड्स भारत में मार्च 2023 तक 501 स्टोर के साथ सबसे बड़ा बर्गर ब्रांड बन गया है। इसका मुकाबला अमेरिकी प्रतिस्पर्धी बर्गर किंग से है, जिसके भारत में 391 स्टोर हैं। भारत में विकसित बर्गर चेन ब्रांड ने भी बर्गर उद्योग के शीर्ष पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। 137 स्टोरों के साथ, जंबोकिंग घरेलू ब्रांडों में अग्रणी है और आज की तारीख में रैंकिंग में इसका तीसरा स्थान है। रिपोर्ट केवल उन बर्गर ब्रांड्स के लिए है, जिनके देश भर में कम से कम 10 स्टोर संचालित हो रहे हो। यह भारत के बड़े शहरों में क्षेत्रीय लीडर्स की भी पहचान करता है। क्षेत्रीय उपस्थिति के संदर्भ में, इंडियन बर्गर चेन जंबोकिंग मुंबई में 111 स्टोर के साथ चार्ट में सबसे ऊपर है, इसके बाद मैकडॉनल्ड्स है, जिसके मुंबई में 78 स्टोर हैं। दिल्ली एनसीआर में, बर्गर किंग के 84 स्टोर्स के साथ सबसे बड़ी उपस्थिति है, इसके बाद मैकडॉनल्ड्स के 79 स्टोर्स हैं। बेंगलुरू शहर में, मैकडॉनल्ड्स 45 स्टोर के साथ सबसे आगे है और उसके बाद 39 स्टोर्स के साथ बर्गर किंग है।

मैकडॉनल्ड्स 32 स्टोर के साथ पुणे में भी सबसे आगे है, जबकि दिलचस्प बात यह है कि हैदराबाद में मैकडॉनल्ड्स और बर्गर किंग दोनों तीसरे स्थान पर हैं। फर्म के निदेशक सौरभ अग्रवाल कहते हैं, यह रिपोर्ट आंखें खोलने वाली है। सबसे पहले, यह भारतीय बर्गर उद्योग में शीर्ष तीन प्लेअर्स की एक साफ तस्वीर देती है, जो कि निवेश निर्णयों के लिए महत्वपूर्ण है।

दूसरी बात, यह मेहनत से बनाई हुई रिपोर्ट है। हमने भारत के लगभग 160 शहरों में 1,545 आउटलेट्स के साथ 12 ब्रांडों की पहचान की है। रिपोर्ट अन्य ब्रांड जैसे वेंडीज, बॉस बर्गर, बर्गर सिंह, बर्गर प्वाइंट, द बर्गर कंपनी, बिगीज बर्गर और बर्गिल के बारे में भी डेटा कैप्चर करती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

एडिडास ने पेश की भारतीय क्रिकेट टीम के लिए नई जर्सी

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम की जर्सी के प्रयोजक एडिडास ने अगले माह सात जून से होने वाले विशव टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए भारतीय टीम की नई जर्सी लांच कर दी है। आधिकारिक तौर पर ये जर्सी 7 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ डब्ल्यूटीसी फाइनल 2023 में पहनी जाएगी। एडिडास द्वारा प्रायोजित की गई इस नई जर्सी को वानखेड़े स्टेडियम में लॉच किया गया। ड्रोन के जरिए विशाल जर्सियों को हवा में उड़ाकर पेश किया गया। इस जर्सी को कश्मीरी डिजाइनर आकिब वानी ने डिजाइन किया है।

इससे पहले भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने 5 साल के लिए एडिडास के साथ एक करार किया था। यह साल 2028 तक चलेगा। यह करार पांच साल में लगभग 350 करोड़ रुपये का है। इसमें भारतीय क्रिकेट टीम पुरुष, महिला और अंडर-19 पुरुष और महिला क्रिकेट के तीनों प्रारूपों के लिए जर्सी लॉच की गयी है।

एडिडास के मुख्य कार्यकारी ब्योर्न गुल्डेन ने भारतीय क्रिकेट टीम के साथ सहयोग के बारे में उत्साह जताया। उन्होंने भारत में क्रिकेट के महत्व और खेल में निवेश करने की उनकी प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा, हमें बीसीसीआई और टीम इंडिया के साथ साझेदारी करने पर गर्व है। साथ ही कहा कि क्रिकेट देश का सबसे अहम खेल है, और हमारे लिए यह जरुरी है कि हम इसमें प्रत्यक्ष उपस्थिति और निवेश करें। हमें बीसीसीआई से बेहतर साथी नहीं मिल सकता था। मेरा मानना है कि आने वाले दशकों में भारत सबसे तेजी से बढ़ने वाला खेल बाजार होगा। हम अपनी टीम का समर्थन करने और भारत में शीर्ष स्पोर्ट्स ब्रांड बनने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध हैं।

वहीं बीसीसीआई सचिव जय शाह ने साझेदारी के बारे में अपना उत्साह व्यक्त करते हुए कहा, हम क्रिकेट के खेल को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं और इस यात्रा में दुनिया के अग्रणी स्पोर्ट्सवियर ब्रांड्स में से एक एडिडास के साथ साझेदारी करके उत्साहित हैं।

भारत ने पाक को हराकर लगातार दूसरी बार पुरुष जूनियर एशिया कप जीता

सलालाह (एजेंसी)। भारतीय टीम ने पाकिस्तान को हराकर लगातार दूसरी बार पुरुष जूनियर एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट जीता है। भारतीय टीम ने फाइनल मुकाबले में पाक को 2-1 से हराया। भारत की ओर से अंगद बीर सिंह ने 13वें मिनट में गोल कर टीम को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद अरिजीत सिंह ने 20वें मिनट में एक गोल कर इस बढ़त को 2-0कर दिया। वहीं पाक की ओर से अली बशारत ने 38वें मिनट में एक गोल दागकर भारतीय टीम की बढ़त को कम कर दिया। इसके बाद भारतीय टीम के सामने पाक की टीम की एक नहीं चली और वह अंत तक कोई गोल नहीं कर पायी। इसी के साथ ही भारतीय टीम ने लगातार दूसरी बार और कुल चौथी बार और जूनियर हॉकी पुरुष एशिया कप जीता है। इससे पहले 2015 में भी भारत ने फाइनल में पाकिस्तान को यह खिताब जीता था।

इस मैच में भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी रही। आक्रामक खेल की बदौलत भारतीय टीम को शुरुआत में दो अवसर मिले पर वह उन्हें गोल में बदल नहीं पायी। चिरमाको का एक शॉट गोलपोस्ट के ऊपर से निकल गया जिससे भारतीय टीम ने एक अवसर गंवा दिया। वहीं पहले क्वार्टर में पिछड़ने के बाद पाक ने बराबरी का प्रयास किया पर भारतीय खिलाड़ियों ने उसे विफल कर दिया। दूसरे क्वार्टर की शुरुआत में ही अरिजीत ने एक गोल कर भारतीय टीम की बढ़त को बढ़ा दिया। इसके बाद दोनों टीमों को एक-एक पेनल्टी कॉर्नर मिला पर कोई भी गोल नहीं कर पायी। तीसरे क्वार्टर में पाक की ओर से बशारत ने शाहिद अब्दुल के पास पर एक गोल दाग दिया। बशारत ने को गोलपोस्ट में धकेलकर स्कोर 1-2 कर दिया। इसके बाद पाक डिफेंडरों ने गोल नहीं होने दिया। पाक टीम ने अंतिम क्वार्टर में गोल के प्रयास किये पर वह नाकाम रही। पाक टीम को इसके बाद दो पेनल्टी कॉर्नर मिले पर वह उन्हें गोल में नहीं बदल पायी। इसके अलावा भारतीय टीम को भी एक अवसर मिला पर वह भी गोल नहीं कर पायी।

डब्ल्यूटीसी में ईशान नहीं भरत को मिलेगी विकेटकीपर के तौर पर जगह : सबा करीम

कोलकाता (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर सबा करीम ने कहा है कि आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में ईशान किशन नहीं के एस भरत को विकेटकीपर के तौर पर अवसर मिलेगा। सबा का मानना है कि ईशान किशन को अभी टेस्ट में विकेटकीपिंग के लिए इंतजार करना होगा हालांकि कई दिग्गजों का मानना है कि ईशान इस मैच में अंतर पैदा कर सकते हैं।

वहीं सबा के अनुसार भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में भरत के साथ उतर सकती है। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि इस स्तर पर वे ईशान को उतारना चाहेंगे। मुझे लगता है कि वे भरत के साथ ही बने रहेंगे, क्योंकि उन्होंने घरेलू श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विकेट कीपिंग की है। जिस तरह की सुरक्षा राहुल द्रविड़ और रोहित शर्मा खिलाड़ियों को देना चाहते हैं, मुझे लगता है कि वे भरत को ही शामिल करेंगे।

करीम ने कहा, अगर घरेलू श्रृंखला में ईशान ने खेला होता, तो मुझे लगता है कि उनके पास मौका हो सकता था पर न्होंने ऐसा नहीं किया है। इसलिए मुझे नहीं लगता कि वे इस तरह के एक अहम मैच में खेलेंगे।

उन्होंने आगे कहा, भारत के लिए अहम मैच जीतने के लिए सब कुछ संतुलित होना चाहिए हालांकि, करीम को लगता है कि इस टीम का हिस्सा बनना ईशान के लिए सीखने का एक बड़ा अवसर होगा। उन्होंने कहा- मुझे लगता है कि यह उनके लिए सीखने का एक शानदार अनुभव होगा। उसे अपने साथियों और विरोधियों को देखने और बातचीत से जितना हो सके हासिल करना चाहिए। टेस्ट क्रिकेट एक अलग गेंद का खेल है और अगर आप अंतिम ग्यारह का हिस्सा नहीं हैं तो भी बहुत कुछ सीखने को मिलता है। उसका भी समय आएगा और हालांकि अब तक उसे मुख्य रूप से एक सफेद गेंद वाले क्रिकेटर के रूप में देखा जाता है।

एशिया कप के लिए बीसीसीआई ने घोषित की टीम, महिला एशिया कप में खेलेंगी ये खिलाड़ी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम को एशिया कप में जून के महीने में हिस्सा लेना है। इस एशिया कप का आयोजन इस बार हांगकांग में किया जाना है। इस एशिया कप के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 14 सदस्यीय टीम का चयन कर ऐलान कर दिया है। भारत का पहला मुकाबला हांगकांग से होना है।

इस बार बीसीसीआई ने बल्लेबाजी हरफनमौला श्वेता सहरावत हांगकांग में 12 जून से होने वाले एसीसी इमर्जिंग महिला एशिया कप में 14 सदस्यीय भारतीय क्रिकेट टीम की कप्तानी की जिम्मेदारी सौंपी है। भारत ए टीम 13 जून को पहला मैच हांगकांग से खेलेगी। वहीं एक और अहम मुकाबला भारतीय टीम का पाकिस्तान से होना है। ये मुकाबला 17 जून को होगा, जिसपर सभी की नजरें टिकी होंगी।

इस संबंध में बीसीसीआई ने एक आधिकारिक बयान में कहा ,'' अखिल भारतीय महिला चयन समिति ने शुक्रवार को आगामी एसीसी इमर्जिंग महिला एशिया कप के लिये भारत ए टीम का चयन किया है।'' टूर्नामेंट में आठ टीमों को दो समूहों में बांटा जायेगा। भारत समूह ए में हांगकांग, थाईलैंड ए, पाकिस्तान ए के साथ है जबकि बांग्लादेश ए, श्रीलंका ए , मलेशिया और संयुक्त अरब अमीरात ग्रुप बी में हैं। इस टूर्नामेंट का फाइनल 21 जून को खेला जायेगा।

इन खिलाड़ियों को मिली टीम में जगह

भारत ए (इमर्जिंग टीम) : श्वेता सहरावत (कप्तान), सौम्या तिवारी, तृषा गोंगाडी, मुस्कान मलिक, श्रेयांका पाटिल, कनिका आहूजा, उमा छेत्री, ममता मडीवाला, टिटास संधू, यशश्री एस, काशवी गौतम, पार्श्वी चोपड़ा, मन्नत कश्यप, बी अनुषा।

मुख्य कोच : नूशिन अल खादीर भारत ए का कार्यक्रमः 12 जून बनाम हांगकांग 15 जून बनाम थाईलैंड ए 17 जून बनाम पाकिस्तान ए। बता दें कि भारतीय टीम में उन खिलाड़ियों को जगह मिली है जिन्होंने आईसीसी अंडर 19 वूमेंस टी20 विश्व कप ट्रॉफी जीती थी। इस टीम की कप्तान शेफाली वर्मा थी, जबकि श्वेता सहरावत ने सात मुकाबलों में 99 की औसत से 297 रन यानी सबसे अधिक रन बनाए थे।

हूपर बने वेस्टइंडीज टीम के नये सहायक कोच

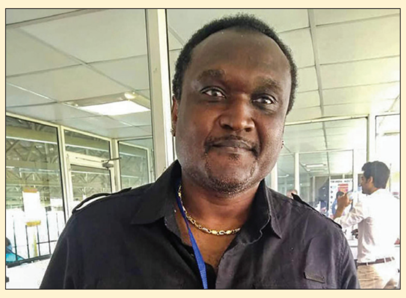

नई दिल्ली ।पूर्व कप्तान कार्ल हूपर को वेस्टइंडीज टीम का नया सहायक कोच बनाया गया है। हूपर को यूएई एकदिवसीय सीरीज और आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप क्वालीफायर से पहले ये जिम्मेदारी दी गयी है। वेस्टइंडीज और यूएई के बीच तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला 4 जून से शुरू होगी। इसके बाद टीम भारत में होने वाले आईसीसी क्वालीफायर मुकाबले खेलेगी। इसके लिए वेस्टइंडीज को ग्रुप ए में रखा गया है और वे 18 जून को संयुक्त राज्य अमेरिका के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेंगे। हूपर ने पहले भी अलग-अलग स्तर पर कोच और संरक्षक की भूमिका निभाई हैं। सहायक कोच के रूप में वह इससे पहले एडिलेड स्ट्राइकर्स के साथ बिग बैश लीग में भी थे। उन्होंने कैरेबियन प्रीमियर लीग में भी एंटीगुआ हॉक्सबिल्स और गुयाना अमेज़ॅन वारियर्स क ओर से कोच की भूमिका निभाई हैं। वह बारबाडोस में वेस्टइंडीज के हाई परफॉर्मेंस सेंटर में भी एक संरक्षक की भूमिका भी शामिल रहे थे। वेस्टइंडीज टीम अब उनके अनुभवों का लाभ उठाते हुए जीत हासिल करना चाहेगी। हूपर ने कहा, जब शुरुआत में डैरन ने सहायक कोच की भूमिका के लिए मुझसे संपर्क किया तो मैंने तुरंत अपनी रुचि दिखाई क्योंकि मैं वास्तव में चुनौती में मदद करना चाहता हूं और सार्थक प्रभाव डालना चाहता हूं। मेरा दृढ़ विश्वास है कि यह वेस्टइंडीज क्रिकेट के आगे बढ़ने का समय है और मुझे इस प्रयास में सहायक बनते हुए अपनी अनुभवी का इस्तेमाल करना चाहिये। वेस्टइंडीज के पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर फ्लॉयड रीफर और न्यूजीलैंड के पूर्व ऑलराउंडर जेम्स फ्रैंकलिन भी टीम के साथ सहायक कोच के तौर पर रहेंगे।

आईपीएल में स्ट्राइक रेट के मामले में सबसे आगे रहे राशिद

मुम्बई (एजेंसी)। इंडियनप्रीमियर लीग (आईपीएल) के 16 वें सत्र में कई क्रिकेटरों ने छोटी पर मैच विजेता पारियां खेलकर अपनी टीम को सफलत दिलायी है। टी-20 क्रिकेट में तेजी से रन बनाना अधिक अहम होता है बजाये इसके कि अधिक गेंद पर लंबी पारी खेली जाये। खेल के इस सबसे छोटे प्रारुप में कम गेंदों में ज्यादा रनों का महत्व होता है। आईपीएल में सबसे ज्यादा प्रभावशाली पारियां खेलने वाले खिलाड़ियों में ग्लेन मैक्सवेल, राशिद खान, सूर्यकुमार यादव सहित अन्य खिलाड़ी भी शामिली हैं।

राशिद खान : गुजरात टाइटंस के स्टार स्पिनरी राशिद खान ने एक मैच में मुंबई इंडियंस के खिलाफ नाबाद 79 रन बनाये थे। राशिद ने इस सीजन के कुल 17 मैच में सिर्फ नौ बार ही बल्लेबाजी की। जिसमें 216.66 के स्ट्राइक रेट से 130 रन बनाए। इस लिस्ट में वह टॉप पर हैं।

ग्लेन मैक्सवेल : इस ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ने इस लीग गेंदबाजों की जमकर पिटाई की। इस बल्लेबाज ने मैदान का ऐसा कोई कोना नहीं छोड़ा, जहां छक्के-चौके नहीं पहुंचाए। 14 मैच में 400 रन के साथ आरसीबी के इस वीर का स्ट्राइक रेट 183.48 रहा।

महेन्द्र सिंह धोनी : चेन्नई सुपरकिंग्स के कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने भले ही इस सीजन 16 मैच खेले, लेकिन बल्लेबाजी केवल 12 बार ही की, जिसमें आठ बार तो नॉट आउट ही रहे। ऐसे में 100 रन बनाने के बावजूद उनका स्ट्राइक रेट 182.45 पर पहुंच गया और टॉप-शीर्ष में शामिल हो गए।

सूर्यकुमार यादव : मुंबई इंडियंस के मध्य क्रम के बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने 16 मैच में एक शतक, पांच अर्धशतक के साथ 605 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट 182.13 रहा।

इलावेनिल, प्रवीण के निशानेबाजी उपकरणों को ठीक करायेगा खेल मंत्रालय

नई दिल्ली ।ओलंपियन निशानेबाज इलावेनिल वालारिवान और तीरंदाज प्रवीण जाधव के निशानेबाजी से जुड़े उपकरणों की मरम्मत के साथ ही नवीनीकरण होगा। इस काम की जिम्मेदारी खेल मंत्रालय संभालेगा। इलावेनिल जर्मनी की वाल्थर फैक्ट्री में यह काम करायेगी जबकि प्रवीण तीरंदाजी के उपकरणों का दूसरा सेट खरीदेंगे। इसका कारण है कि टूर्नामेंट के दौरान उपकरणों में खराबी आने पर सर्विसिंग के लिये समय नहीं रहता। वहीं मिशन ओलंपिक सेल ने टेबल टेनिस खिलाड़ी श्रीजा अकुला को नाइजीरिया में इस महीने होने वाले डब्ल्यूटीटी टूर्नामेंट में भागीदारी के लिये आर्थिक सहायता भी दी है। वहीं टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के तहत उनके हवाई टिकट, खाने, रहने, स्थानीय यातायात, वीसा और बीमे की फीस का भी पूरा खर्च उठाया जाएगा।

ब्रॉड की शानदार गेंदबाजी से इंग्लैंड ने आयरलैंड को 172 पर समेटा

-एक विकेट पर ही 152 रन बनाकर मेजबान टीम ने शिकंजा कसा

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड ने आयरलैंड के खिलाफ चार दिवसीय क्रिकेट टेस्ट मैच की पहली पारी में दिन का खेल खत्म होने तक एक विकेट पर 152 रन बनाये हैं। दिन का खेल समाप्त होने के समय बेन डकेट 60 और ओली पोप 29 रन बनाकर खेल रहे थे। इससे पहले मेजबान टीम ने स्टुअर्ट ब्रॉड और अन्य गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत आयरलैंड को पहली पारी में 172 रन पर ही समेट दिया। इंग्लैंड की ओर से ब्रॉड ने 51 रन देकर पांच विकेट लिए। वहीं जैक लीच ने तीन जबकि मैथ्यू पॉट्स ने दो विकेट लिए।

इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए आयरलैंड के बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। ब्रॉड ने पीटर मूर को शुरुआत में ही 10 रनों पर पेवेलियन भेज दिया। इसके बाद बालबर्नी और हैरी टेक्टर भी आउट हो गये। ऐसे समय में पॉल स्टर्लिंग ने सलामी बल्लेबाज जेम्स मैकोलम के साथ मिलकर आयरिश पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों ने 45 रन की साझेदारी बनायी। लीच ने स्टर्लिंग को 30 रनों के निजी स्कोर पर आउट कर आयरलैंड को मुश्किल में डाल दिया। मैकोलम भी 36 रन आउट हुए। कर्टिस कैंफर ने अंत में 33 रन बनाए। एंडी मैकब्राइन ने 19 और मार्क एडेयर ने 14 रन बनाये। इसके बाद भी आयरलैंड 172 रन ही बना पायी। इंग्लैंड की ओर से पारी की शुरुआत करते हुए जैक क्रॉली और बेन डकेट ने तेजी से बल्लेबाजी शुरु की। इस जोड़ी ने 16.3 ओवर में 109 रन बनाये। क्रॉली ने 56 रन बनाए जबकि डकेट ने नाबा 60 रन बनाये । ओली पोप 29 रन बनाकर डकेट के साथ क्रीज पर मौजूद हैं।

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में कमेंट्री करेंगे शास्त्री, गावस्कर और हेडन

मुम्बई ।इंग्लैंड के ओवल मैदान में सात जून से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्लयूटीसी) फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। इसमें भारतीय टीम के पूर्व कोच और ऑलराउंडर रवि शास्त्री के अलावा पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर और ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू हेडन भी कमेंट्री करते दिखेंगे। इसके अलावा आईपीएल में विफल रहे विकेटीपर बल्लेबाज दिनेश कार्तिक भी इस कमेंट्री टीम में शामिल रहेंगे। शास्त्री और कार्तिक अपनी कॉमेंट्री शैली के कारण खासे लोकप्रिय भी हैं। इनके अलावा इंग्लैंड के पूर्व कप्तान नासिर हुसैन और श्रीलंका के कुमार संगाकारा भी कमेंट्री करते दिखेंगे। ऑस्ट्रेलिया और भारत दोनों ही टीमें इंग्लैंड पहुंच गयी हैं और डब्ल्यूटीसी फाइनल की तैयारियों में लगी हैं। भारतीय टीम ने इस साल की शुरुआत में अपनी धरती पर 2-1 से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी जीती थी जिससे उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम भी इंग्लैंड के हालातों में जीत के इरादे से उतरेगी। भारतीय टीम के कई अहम खिलाड़ी चोटिल होने के कारण बाहर हैं। इसमें जसप्रीत बुमराह, ऋषभ पंत, श्रेयस अय्यर और केएल राहुल जैसें खिलाड़ी हैं।

सचिन ने खरीदी लेम्बोर्गिनी उरस एस

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर कारों के शौकीन हैं और उनके पास बीएमडब्ल्यू और मर्सीडीज सहित एक से बढ़कर एक लक्जरी कारें हैं। वहीं अब उनके कार कलेक्शन में एक और सुपर एसयूवी शामिल हो गई है। सचिन ने लेम्बोर्गिनी की हाल ही में पेश की गई उरुस एस खरीदी है। उरुस एस वेरिएंट को हाल ही में भारतीय बाजार में 4.18 करोड़ रुपए की कीमत के साथ उतरा गया था। अब एक वीडियो में उन्हें अपनी नई शानदार सुपर एसयूवी में देखा गया था। उरुस एस एयर सस्पेंशन सिस्टम के साथ आती है, जो बेहतर ड्राइविंग अनुभव प्रदान करती है। इसके अलावा उरुस एस में तीन ऑफ-रोड मोड, सब्बिया (सैंड), नेवे (स्नो) और टेरा (मड) भी हैं, जो विभिन्न सतहों में एक आसान राइड पेश करती है। सचिन भारत में बीएमडब्ल्यू के ब्रांड एंबेसडर हैं और उनके के पास बीएमडब्ल्यू की कई कारें हैं। हालांकि, यह उनकी अब तक की पहली लेम्बोर्गिनी खरीद है। हाई-एंड बीएमडब्ल्यू मॉडल के अलावा सचिन के पास पोर्श 911 टर्बो एस भी है। सचिन के सात बार के एफ वन विश्व चैंपियन माइकल शूमाकर के साथ करीबी संबंध हैं। शूमाकर ने उन्हें फेरारी 360 मोडेना उपहार में दी थी।

डब्ल्यूटीसी फाइनल जीतने ऑस्ट्रेलिया को पुजारा और विराट पर अंकुश लगाना होगा: पोंटिंग

लंदन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा है कि उनकी टीम को भारत के खिलाफ सात जून से शुरु हो रहे आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए केवल दो खिलाड़ियों विराट कोहली और चेतेश्वर पुजारा पर अंकुश लगाना होगा। पोंटिंग के अनुसार पुजारा इंग्लैंड काउंटी चैंपियनशिप में ससेक्स की ओर से लंबे समय तक खेलने के कारण भारतीय टीम को हालात समझने में सहायता दे सकते हैं। वहीं आईपीएल में शानदार प्रदर्शन के बाद से ही विराट का मनोबल बढ़ा हुआ है।

पोंटिंग ने कहा, इसमें कोई संदेह नहीं कि ऑस्ट्रेलियाई टीम विराट और पुजारा को जल्द आउट करने पर बात करेंगी। पुजारा को ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की चुनौतियों को डटकर सामना करने के लिए जाना जाता है जिन्होंने किसी भी अन्य टीम की तुलना में उनके खिलाफ अधिक टेस्ट रन और शतक बनाए हैं और उनका प्रदर्शन भारत के लिए अहम रहेगा।

पोंटिंग ने कहा, पुजारा ने इससे पहले भी ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों को काफी परेशान किया था और यह विकेट संभावित रूप से ऑस्ट्रेलियाई पिच की तरह होगा। इसलिए वे जानते हैं कि उन्हें उसे जल्दी आउट करना होगा। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए पुजारा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 24 टेस्ट में पांच शतक की मदद से 2,033 रन बनाए हैं और भारतीय कप्तान रोहित शर्मा चाहेंगे कि वह डब्ल्यूटीसी फाइनल में अहम भूमिका निभाएं।

कोहली ने आईपीएल से पहले बोर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चौथे टेस्ट में 186 रन की पारी खेली थी और अब वह इसी लय को बनाये रखने उतरेंगे। पोंटिंग ने कहा, वे यह भी जानते हैं कि पिछले कुछ सप्ताहों में विराट अपनी सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में वापस आ गया है। उसने मुझे बताया कि वह महसूस कर रहा है कि वह अपनी लगभग सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में वापस आ गया है और यह ऑस्ट्रेलिया के लिए सतर्क होने का समय है। उन्होंने साथ ही कहा कि डब्ल्यूटीसी फाइनल में तेज गेंदबाजों की भूमिका भी महत्वपूर्ण होगी।

तब बाढ़ में भी नहीं डूबेंगे धान के पौधे!

तेज बरसात की वजह से चावल के पौधे पानी में बिलकुल डूब जाते हैं। अब जापानी वैज्ञानिकों ने ऐसे जीनों का पता लगाया है जिनके जरिए चावल के पौधे का विकास इस तेजी से बढ़ाया जा सकता है कि वह पानी में डूबे ही नहीं।

भारत में चावल उगाने वाले किसान जहां बरसात के लिए तरसते हैं, वहीं उससे बहुत डरते भी हैं। उनके मन में कई सवाल होते हैं, क्या बरसात ठीक वक्त पर आएगी, ज़्यादा तेज और लंबी तो नहीं होगी, कितनी बार फसल बरसात की वजह से खराब हो जाती है और हज़ारों किसानों के लिए भारत में ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और दूसरे एशियाई देशों में भी गुजारा करना मुश्किल हो जाता है।

अक्सर यह देखा गया है कि तेज बरसात की वजह से चावल के पौधे पानी में बिलकुल डूब जाते हैं। खेतों मे बढ़ता हुआ जलस्तर चावल के पौधों के लिए सामान्?यत~ अच्छा ही रहता है, लेकिन यह ज़रूरी है कि पौधे के उपरी हिस्से हवा के संपर्क में बने रहें। हालांकि मानसूनी इलाकों में बरसात और बाढ की वजह से चावल के खेतों में पानी इतना ज्?यादा भर जाता है कि धान के पौधे बिल्कुल डूब जाते हैं तथा इससे वे सड़ने लगते हैं और मर भी जाते हैं।

गौरतलब है कि गहरे पानी में उगनेवाले चावल की प्रजाति को जलजमाव से कोई समस्या नहीं होती। पानी के साथ-साथ उसके तने वाले डंठल भी बढ़ते जाते हैं।

जापान के नागोया विश्वविद्यालय के मोतोयुकी अशिकारी कहते हैं~

गहरे पानी में उगने वाले चावल के पौधे, पानी की गहराई से ऊपर बने रहने के लिए, एक मीटर तक बढ़ सकते हैं। वे हवा के संपर्क में बने रहने के लिए ऐसा करते है। वे अंदर से खोखले होते हैं, लेकिन उसके जरिए पौधा पानी की सतह से उपर पहुंच सकता है और ऑक्सीजन पा सकता है। यह कुछ ऐसा ही है कि जब आप गोताखोरी कर रहे होते हैं, तो पानी से ऊपर निकली एक नली से सांस लेते हैं।

बरसात के समय ऐसे चावल के तने 25 सेंटीमीटर प्रतिदिन की एक अनोखी गति से बढ़ सकते हैं। अशिकारी और उनकी टीम ने इस प्रक्रिया को समझने के लिए इस चावल के जीनों से यह समझने की कोशिश की कि चावल बरसात के वक्त अपने विकास को किस तरह नियंत्रित करता है। अध्ययनों से अब तक जितना पता चला है वह यह है कि एक गैसीय विकास-हॉर्मोन एथीलिन इसके लिए जिम्मेदार है, जैसाकि नीदरलैंड के उएतरेश्त विश्वविद्यालय के रेंस वोएसेनेक बताते हैं~

जब पौधा पूरी तरह पानी में डूब जाता है तब यह गैस ठीक तरह से मुक्त नहीं हो पाती। यू कहें कि वह पौधे में ही कैद हो जाती है। यानी पौधे में एथिलिन की मत्रा बढ़ने लगती है। यह पौधे के लिए संकेत है कि वह पानी में डूब रहा है और उसे कुछ करना है।

जापानी विशेषज्ञों ने पता लगाने की कोशिश की कि कौन से जीन इस स्थिति में सक्रिय होते हैं। उन्होने ऐसे जीन पाए जिनको वे गोताखोरी में इस्तेमाल होनेवाली नली के अनुरूप स्नोर्कल जीन कहते हैं। ये जीन तभी सक्रिय होते हैं जब पौधे के तने में एथिलिन की मात्रा बढ़ने लगती है। वे पौधे के विकास को तेज करने वाले दूसरे तत्वों का उत्पादन शुरू कर देते हैं। मोतोयुकी अशिकारी कहते हैं~

हमने क्रॉमोसोम 1,3 और 12 पर यह तथाकथित नलिका जीन पाए। उन्हें यदि सामान्य चावल के पौधों में भी मिलाया जा सके, तो बरसात के वक्त सामान्य चावल के पौधे भी वही करेंगे जो गहरे पानी में उगने वाला चावल करता है। मुझे पूरा विश्वास है कि हम चावल की हर प्रजाति को गहरे पानी में उगने वाले चावल की प्रजाति बना सकते हैं।

यानी इन जीनों की मदद से चावल की उस फसल को बचाया जा सकता है जो पानी की अधिकता के प्रति बहुत संवेदनशील है। जहां अक्सर बाढ आती है वहां के किसानों की इस बड़ी समस्या का समाधान हो सकता है। एक और समस्या भी दूर हो सकती है - गहरे पानी में उगने वाला चावल बहुत ही कम फसल देता है, प्रति हेक्टेयर सिर्फ एक टन जो उपजाऊ क़िस्मों की तुलना में सिर्फ 20 फीसदी के बराबर है। नीदरलैंड के विशेषज्ञ रेंस वोएसेनेक बहुत ही आशावादी हैं~

विकास के लिए जिम्मेदार इन जीनों के बारे में पता चल जाने के बाद अब हम चावल की अलग-अलग प्रजातियों के बीच प्रकृतिक संवर्धन के जरिए, यानी वर्णसंकर के जरिए भी इन जीनों को उनके पौधे में डाल सकते हैं। इसके लिए किसी जीन तकनीक जरूरत ही नहीं हैं।

जापान के विशेषज्ञों ने यह काम शुरू कर भी दिया है। उनके अध्ययनों से एक बार फिर पता चलता है कि पौधों के संवर्धन के लिए उनके जीनों में असामान्य गुणों की तालाश कितनी जरूरी है।

कुदरती खेती का एक अनूठा प्रयोग

भारत एक कृषि प्रधान देश है। प्रकृति की कृपा तथा हमारे किसानों कि आर्थिक मेहनत से हमारी भूमि सदा उपजाऊ रही है। प्राचीन समय में हमारी खेती प्राकृतिक संपदा व संसाधनों पर ही निर्भर थी और देश की खाद्यान्नों सम्बन्धी आवश्यकताओं को पूरा कर पाती थी। जैसे-जैसे देश में शहरीकरण व औद्योगिकरण बढते गये , गांवों से लोग खेती को छोड़ शहरों की ओर आते गये। प्राकृतिक खेती पध्दति कम होती गई और रासायनिक खाद आदि का प्रयोग बढता गया। ज़मीन की उत्पादकता घटती गई और साथ ही किसान की आय भी। सन 1965 में भारत में हरित क्रांति आयी जिससे उपज तो बढी मगर रासायनिक उरवरक तथा अन्य उत्पादों के अन्धाधुन्ध प्रयोग से मिटटी की उत्पादकता भी कम होती गयी।

यूरोप, अमरीका व एशिया में सन् 1940-50 के दकों में जैविक खेती और प्राकृतिक खेती की प्रक्रियाओं पर बहुत प्रयोग किये गये। खेती कि ये विधायें भारत में सन 1980 के दशक से आगे बढी हैं। जैविक खेती की पद्धति में रासायनिक पध्दाथों का प्रयोग वर्जित है। प्राकृतिक खेती में केवल प्राकृतिक प्रक्रियाओं व संसाधनों का ही प्रयोग होता है। आधुनिक खेती या रासायनिक खेती प्रकृति के खिलाफ है। रासायनिक खादों व कीटनाशकों से हमारे खेतों की मिट्टी की उर्वरता खत्म हो रही है। मिट्टी में मौजूद सूक्ष्म जीवाणु और जैव तत्त्व मर रहे हैं और वह बंजर हो जाती है। कुदरती खेती प्रकृति के साथ होती है। यद्यपि प्राकृतिक खेती की शुरूआत जापान के कृषि वैज्ञानिक फुकुओवा ने की है लेकिन हमारे यहां भी ऐसी खेती होती रही है। मंडला के बैगा आदिवासी बिना जुताई की खेती करते हैं जिसे झूम खेती कहते हैं।

भारत के मध्य प्रदेश राज्य के होशंगाबाद ज़िले के एक फार्म मे लगभग पिछ्ले 25 वर्षों से प्राक्रतिक खेती, जिसे कुदरती खेती भी कहते है, हो रही है। करीब 12 एकड़ के इस फार्म में सिर्फ 1 एकड़ में खेती की जा रही है। यहां बिना जुताई (नो टिलिग) और रासायनिक खाद के खेती की जा रही है। बीजों को मिट्टी की गोली बनाकर बिखेर दिया जाता है और वे उग आते हैं। यह सिर्फ खेती की एक पद्धति भर नहीं है बल्कि जीवनशैली है। यहां का अनाज, फल पानी और हवा शुध्द है। यहा कुआं है, जिसमें पर्याप्त पानी है। बिना जुताई के खेती मुश्किल है, ऐसा लगना स्वाभाविक है। पहली बार सुनने पर विश्?वास नहीं होता लेकिन देखने के बाद सभी शंकाएं निर्मूल हो जाती हैं। दरअसल, इस पर्यावरणीय पद्धति में मिट्टी की उर्वरता उत्तारोतर बढ़ती जाती है।

बाकी के 11 एकड़ में सुबबूल (आस्टेलियन अगेसिया) का जंगल है। सुबबूल एक चारे की प्रजाति है। इस जंगल से मवेशियों का चारा और लकड़ियां मिल जाती हैं। लकड़ियों की टाल है, जहां से जलाऊ लकड़ी बिकती हैं, जो फार्म की आय का मुख्य स्रोत है। एक एकड़ जंगल से हर वर्ष करीब ढाई लाख रूपये की लकड़ी बेच लेते हैं।

गेहूं के खेतों में हवा के साथ गेहूं के हरे पौधे लहलहाते हैं। खेत में फलदार और अन्य जंगली पेड़ हैं जिनके नीचे गेहूं की फसल होती है। आम तौर पर खेतों में पेड़ नहीं होते हैं लेकिन यहां अमरूद, नीबू और बबूल के पेड़ हैं जिन के कारण खेतों में गहराई तक जड़ों का जाल बुना रहता है। इससे भी जमीन ताकतवर बनती जाती है। अनाज और फसलों के पौधे पेड़ों की छाया तले अच्छे होते हैं। छाया का असर जमीन के उपजाऊ होने पर निर्भर करता है। चूंकि यहां जमीन की उर्वरता अधिक है, इसलिए पेड़ों की छाया का फसल पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ता।

इन खेतों में पुआल, नरवाई, चारा, तिनका व छोटी-छोटी टहनियों को पड़ा रहने देते हैं, जो सड़कर जैव खाद बनाती हैं। खेत में तमाम छोटी-बड़ी वनस्पतियों के साथ जैव विविधताएं आती -जाती रहती हैं। और हर मौसम में जमीन ताकतवर होती जाती है। इस जमीन में पौधे भी स्वस्थ और ताकतवर होते हैं जिन्हें जल्द बीमारी नहीं घेरती।

यहां जमीन को हमेशा ढककर रखा जाता है। यह ढकाव हरा या सूखा किसी भी तरह से हो, इससे फर्क नहीं पड़ता। इस ढकाव के नीचे अनगिनत जीवाणु, केंचुए और कीड़े-मकोड़े रहते हैं और उनके ऊपर-नीचे आते-जाते रहने से जमीन पोली और हवादार व उपजाऊ बनती है।

आमतौर पर किसान अपने खेतों से अतिरिक्त पानी को नालियों से बाहर निकाल देते हैं लेकिन यहां ऐसा नहीं किया जाता। बारिश में कितना ही पानी गिरे, वह खेत के बाहर नहीं जाता। खेतों में जो खरपतवार, ग्रीन कवर या पेड़ होते हैं, वे पानी को सोखते हैं। इससे एक ओर खेतों में नमी बनी रहती है, दूसरी ओर वह पानी वाश?पीकृत होकर बादल बनता है और बारिश में पुन् बरसता है। इसके विपरीत, जब जमीन की जुताई की जाती है और उसमें पानी दिया जाता है तो खेत में कीचड़ हो जाती है। बारिश होती है तो पानी नीचे नहीं जा पाता और तेजी से बहता है। पानी के साथ खेत की उपजाऊ मिट्टी बह जाती है। इस तरह हम मिट्टी की उपजाऊ परत को बर्बाद कर रहे हैं और भूजल का पुनर्भरण भी नहीं कर पा रहे हैं। साल दर साल भूजल नीचे चला जा रहा है।

यहां खेती भोजन की जरूरत के हिसाब से होती हैं, बाजार के हिसाब से नहीं। जरूरत एक एकड़ से ही पूरी हो जाती है। यहां से अनाज, फल और सब्जियां मिलती हैं, जो परिवार की जरूरत पूरी कर देती हैं। जाड़े मे गेहूं, गर्मी में मक्का व मूंग और बारिश में धान की फसल ली जाती है। कुदरती खेती में भूख मिटाने के साथ समस्त जीव-जगत के पालन का विचार है। इससे मिट्टी-पानी का संरक्षण होता हैं। इसे ऋषि खेती भी कहते हैं क्योंकि ऋषि मुनि कंद-मूल, फल और दूध को भोजन के रूप में ग्रहण करते थे, बहुत कम जमीन पर मोटे अनाजों को उपजाते थे। वे धरती को अपनी मां के समान मानते थे, उससे उतना ही लेते थे जितनी जरूरत थी। अत~ कुदरती खेती का यह प्रयोग सराहनीय होने के साथ-साथ अनुकरणीय भी है।

यूएसए में वाहन के पेड़ से टकराने से भारतीय मूल के व्यक्ति की मौत

न्यूयॉर्क। यूएसए में ओहायो राज्य के ह्यूरोन काउंटी में एक वाहन के पेड़ से टकरा जाने के कारण उसमें सवार भारतीय मूल के एक व्यक्ति की मौत हो गयी। ओहियो स्टेट हाईवे पेट्रोल नॉरवॉक पोस्ट ने बताया कि भारतीय मूल के मिलन हितेशभाई पटेल (30) की इजिप्ट रोड के उत्तर में रूट 61 पर 30 मई को स्थानीय समयानुसार तड़के 4:39 बजे एक कार दुर्घटना में मौत हो गयी। पुलिस ने बताया कि मिलन एक सफेद 2014 टोयोटा कैमरी चला रहे थे। वह सड़क के दायीं ओर कार चला रहे थे, तभी उनका वाहन ट्रैफिक साइन और पेड़ से टकरा गया। उन्होंने सुरक्षा बेल्ट नहीं पहनी थी और वाहन में फंसने के कारण उनकी मौत हो गयी।

स्पेन के बादाजोज शहर में विस्फोट, एक की मौत, 16 घायल, इमारत का आगे का हिस्सा नष्ट

मेड्रिड। एक रिहायशी इमारत में शक्तिशाली विस्फोट होने से स्पेन के बादाजोज शहर में एक व्यक्ति की मौत हो गयी और कम से कम 16 लोग घायल हो गये। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आयी है। एबीसी एस्पाना अखबार ने बताया कि बादाजोज शहर में गुरुवार को एक अपार्टमेंट की इमारत में विस्फोट होने से इमारत का आगे का हिस्सा पूरी तरह से नष्ट हो गया और विस्फोट के तुरंत बाद आग लग गई। स्पेनिश पुलिस और दमकलकर्मी इमारत में घुसने में कामयाब रहे जहां उन्हें बाथरूम में एक व्यक्ति का शव मिला। प्रत्यक्षदर्शियों ने गैस रिसाव के कारण यह घटना घटने की संभावना जतायी है। उन्होंने कहा कि अग्निशमन विभाग को फोन किया, क्योंकि उन्हें गैस रिसाव का संदेह था। घायलों को अस्पताल में भर्ती किया है।

बंगलादेश के वित्त मंत्री ने बजट में कुछ उत्पादों व वैट बढ़ाने और कुछ में घटाने का प्रस्ताव दिया

ढाका। पड़ोसी बंगलादेश के वित्त मंत्री एएचएम मुस्तफा कमाल ने संसद में वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 7,61,785 करोड़ रुपये का बजट पेश किया। यह उनका पांचवां और बंगालदेश के स्वतंत्रता के बाद 52वां बजट है तथा अवामी लीग के अपने तीन कार्यकालों में यह 15वां बजट है। इससे पहले संसद में मत्रिमंडल की बैठक में प्रधानमंत्री शेख हसीना की अध्यक्षता में प्रस्तावित बजट को मंजूरी दी गई थी। वित्त मंत्री ने अपने बजट में कुछ उत्पादों और सेवाओं शुल्क या वैट बढ़ाने और कुछ में घटाने का प्रस्ताव दिया है। यह बजट वर्तमान संशोधित बजट से 1,01,278 करोड़ रुपये अधिक है। इसमें मुख्य तौर से मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने और जीडीपी वृद्धि की गति को बनाए रखने का मुख्य उद्देश्य है। बजट से उत्पाद और सेवाओं में कुछ कीमतें बढ़ सकती हैं या फिर कुछ सस्ती हो सकती हैं। जो उत्पाद और सेवाएं महंगी हो सकती हैं उनमें पैन, फेशियल टिश्यू, टॉयलेट टिश्यू, सीमेंट, काजू, बासमती चावल, चश्मा, एलपीजी सिलेंडर, प्लास्टिक उत्पाद, एल्युमिनियम उत्पाद, सिगरेट, खजूर, विदेशी टाइल्स और मोबाइल फोन शामिल हैं। इसके अलावा जो उत्पाद और सेवाएं सस्ती हो सकती हैं, उनमें मिष्ठान, मधुमेह-कैंसर-क्षय रोग की दवाएं, हाथ से बने बिस्किट-केक, पशु आहार, ब्लेंडर-प्रेशर कुकर-जूसर, ई-कॉमर्स डिलीवरी शुल्क, हेलीकॉप्टर लीज, कंटेनर, सैनिटरी नैपकिन-डायपर, एलईडी, बल्ब और स्विच-सॉकेट तथा ऑप्टिकल फाइबर शामिल हैं।

अमेरिकी सीनेट ने ऋण सीमा विधेयक पारित कर राष्ट्रपति बाइडन के पास हस्ताक्षर के लिए भेजा

वाशिंगटन। अमेरिका के सीनेट ने संघीय खर्च एवं ऋण सीमा विधेयक को पारित कर दिया है। जिससे अमेरिका अपने ऋण दायित्वों में होने वाली चूक को रोकने में सक्षम होगा। सीनेट ने इस विधेयक को गुरुवार रात 36 के मुकाबले 63 मतों से पारित किया और इसे राष्ट्रपति जो बाइडन के पास हस्ताक्षर के लिए भेज दिया। राष्ट्रपति बाइडेन और हाउस स्पीकर केविन मैक्कार्थी के बीच पिछले कई सप्ताहों से ऋण सीमा समझौते पर बातचीत चल रही थी। यह सीमित राजकोषीय सुधारों के बदले में अमेरिकी ऋण सीमा को दो वर्षों के लिए लिए बढ़ाता है, जिसमें अप्रयुक्त कोविड-19 फंड की पुन: प्राप्ति और कुछ आंतरिक राजस्व सेवा के वित्तपोषण को रद्द करना शामिल है। निचले सदन हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव ने इस विधेयक को बुधवार रात 117 के मुकाबले 314 मतों से पारित किया था। वित्त विभाग ने बताया कि अगर कांग्रेस ऋण सीमा बढ़ाने वाले इस विधेयक को पारित करने में विफल रहती है तो अमेरिका को 5 जून से अपने वित्तीय दायित्वों पर चूक का जोखिम उठाना पड़ता।

अल पचीनो ने गर्लफ्रेंड की प्रेग्नेंसी के बाद की पैटरनिटी टेस्ट की मांग

वाशिंगटन। 29 वर्षीय गर्लफ्रेंड नूर अल्फल्लाह के प्रेग्नेंट होने के बाद हॉलीवुड स्टार अल पचीनो काफी चर्चाओं में है। अब अभिनेता ने चुप्पी तोड़कर पैटरनिटी टेस्ट की मांग की है, ताकि पता चल सके कि ये बच्चा उनका है या नहीं? 83 वर्षीय एक्टर को विश्वास नहीं हो रहा है कि नूर उनके बच्चे को जन्म देने वाली है, क्योंकि वह एक चिकित्सा समस्या से जूझ रहे है, जो आमतौर पर बांझपन का कारण होती है। नूर पहले ही टेस्ट से गुजर चुकी हैं और साबित हो गया है कि हॉलीवुड स्टार वास्तव में उनके बच्चे के पिता हैं। नूर की प्रेग्नेंसी की खबर मई के आखिर में आई थी। वह कथित तौर पर आठ महीने साथ में थे। सोशल मीडिया पर खबरें तेज है कि कपल एक महीने में अपने पहले बच्चे का एक साथ स्वागत करेगा। हालांकि, स्टार चौथे बच्चे की कोई प्लानिंग नहीं कर रहे थे, क्योंकि यह उनके लिए बहुत जल्दी हो सकता है। वे केवल एक साल से डेटिंग कर रहे हैं। अल पचीनो और नूर के डेटिंग की पहली अफवाह अप्रैल 2022 में आई थी, जब उन्हें साथ में डिनर करते हुए देखा गया था।

अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में यात्रियों का वजन कराकर विमान में बिठाया

आकलैंड। एयर न्यूजीलैंड की इंटरनेशनल उड़ान में सवार होने वाली सभी यात्रियों का पहले वजन कराया गया। उसके बाद ही उन्हें हवाई जहाज में बिठाया जा रहा है। एयर न्यूजीलैंड का कहना है, कि 2 जुलाई तक वह 10000 लोगों का वजन करेंगे। इसका सही औसत वजन निकाला जाएगा। ताकि हवाई यात्रा के दौरान पायलट को यात्रियों की संख्या के आधार पर विमान के वजन का पता हो। हवाई जहाज को संतुलित रखने और टेक ऑफ करने के पहले बेहतर ढंग से विमान को पायलट संतुलित रख सकें। एयरलाइंस ने कहा है कि वह प्राइवेसी का पूरा ध्यान रखेंगे। जहां वजन होगा, वहां डिस्प्ले नहीं किया जाएगा। यात्रियों के बजन का रिकॉर्ड एयरलाइंस के मुख्य सर्वर पर अपलोड होगा। न्यूजीलैंड में अभी यात्रियों का बैग के साथ औसत वजन 86 किलोग्राम माना जाता है। 2004 तक यह वजन 77 किलोग्राम माना जाता था। वजन बढ़ने से विमान का संतुलन बनाने में पायलट को तकलीफ होती थी।

गर्मी के बीच 1 साल की बच्ची को कार में छोड़कर चली गई फॉस्टर मां, बच्ची की मौत -9 घंटे बाद याद आया बच्ची कार में

वाशिंगटन। अमेरिका में एक मां अपनी महज 1 साल की मासूम बच्ची को भीषण गर्मी के बीच कार में छोड़कर चली गई। मां को 9 घंटे बाद याद आया कि उसकी बच्ची कार के भीतर है। जब महिला कार के पास पहुंची, तब तक बच्ची दुनिया छोड़ चुकी थी। महिला ने अस्पताल के बाहर गाड़ी खड़ी की थी। वहां सुबह 8 बजे यहां आई। फिर शाम को 5 बजे कार तक वापस लौटी। पुलिस का कहना हैं कि बच्ची की फॉस्टर मां सुबह 8 बजे अस्पताल आकर ये भूल गई थी कि बच्ची कार में ही है। मामला अमेरिका का है। रिपोर्ट के अनुसार, फॉस्टर मां का मतलब होता है, बच्चे को पालने वाली मां। यानी इस महिला ने बच्ची को जन्म नहीं दिया है, वहां महिला उस बच्ची को केवल पाल रही है। बच्ची की मां जब शाम 5 बजे तक कार पार्किंग में पहुंची, तब उसके होश उड़ गए। महिला को एहसास हुआ कि वहां बच्ची को कार में भूल गई थी। फिर बच्ची को तुरंत अस्पताल ले जाया गया। लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

सेंट्रल जावा में बौद्ध भिक्षु वसक डिवस को लेकर बोरोबुडूर मंदिर परिसर में पहुंचे।

अमेरिकी सीनेट ने ऋण सीमा बढ़ाने संबंधी बिल पारित किया

– अमेरिका के डिफॉल्ट होने का खतरा टला

वाशिंगटन। देश को डिफाल्ट होने से रोकने के लिए अमेरिकी सीनेट ने ऋण सीमा बढ़ाने संबंधी बिल गुरुवार देर रात पारित किया। अब इसे अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के पास हस्ताक्षर करने के लिए भेजा गया है। बाइडन और प्रतिनिधिसभा के अध्यक्ष केविन मैकार्थी के बीच जिस समझौता पैकेज पर सहमति बनी है, उससे रिपब्लिकन और डेमोक्रेट सांसद दोनों ही पूरी तरह संतुष्ट नहीं हैं। द्विदलीय मतदान में 36 के मुकाबले 63 मतों से सीनेट ने बिल को पारित किया है। सीनेट में बहुमत के नेता चक शूमर ने कहा कि बिल के पारित होने का मतलब है कि अमेरिका राहत की सांस ले सकता है। उन्होंने कहा कि देन-दारियों में चूक न हो इसलिए यह समझौता किया गया है। इसका मतलब है कि इस पर अब अमेरिकी सरकार तय लिमिट से अधिक ऋण ले सकती है। गौरतलब है कि अमेरिका की संसद ने कानून बनाकर इस कर्ज को लेने की सीमा तय की हुई है, जिसे ऋण सीमा कहा जाता है। अमेरिकी संविधान के अनुसार संसद को सरकारी खर्च को नियंत्रित करने का अधिकार दिया गया है। इसी के साथ 31.4 ट्रिलियन डॉलर की ऋण सीमा हटाने से अमेरिकी सरकार को अपने ऋण पर चूक से निपटने में मदद मिलने की उम्मीद है। बाइडेन और रिपब्लिकन पार्टी के बीच हफ्तों तक चली बातचीत के बाद यह समझौता हुआ है। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कांग्रेस से सरकार की उधार सीमा बढ़ाने और अमेरिकी पर ऋण चुकाने पर डिफाल्ट होने से रोकने के लिए एक सौदा पारित करने का आग्रह किया था। अमेरिका के ट्रेजरी डिपार्टमेंट ने कहा है कि यदि 31.4 ट्रिलियन डॉलर की ऋण सीमा को नहीं हटाया जाता है, तो देश के पास अपने बिलों का भुगतान करने के लिए धन की कमी हो सकती है।

रूस के साथ मौजूदा परमाणु हथियारों की सीमा को बनाए रखने की पेशकश करेगा अमेरिका!

एनएसए सुलिवन जाहिर कर सकते हैं इच्छा

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका परमाणु हथियार नियंत्रण ढांचे के बारे में बिना किसी पूर्व शर्त के रूस के साथ बातचीत करने के लिए तैयार हो गया है। व्हाइट हाउस के एक शीर्ष अधिकारी रूस के साथ मौजूदा परमाणु हथियारों की सीमा को बनाए रखने की पेशकश करेंगे। वरिष्ठ अधिकारियों ने संवाददाताओं को बताया कि राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन वाशिंगटन में वार्षिक नेशनल आर्म्स कंट्रोल एसोसिएशन की बैठक में भाषण देंगे, जिसमें तेजी से बदलते सामरिक परमाणु परिदृश्य को नेविगेट करने के लिए बिडेन प्रशासन के प्रयास को रेखांकित किया जाएगा।

अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन शुक्रवार को शस्त्र नियंत्रण संघ के एक संबोधन के दौरान एक नये ढांचे के निर्माण पर वार्ता के लिए बाइडन प्रशासन की इच्छा को स्पष्ट करेंगे। पुतिन ने फरवरी में घोषणा की थी कि वह यूक्रेन पर रूस के आक्रमण को लेकर वाशिंगटन और मॉस्को के बीच गहरे तनाव के बीच परमाणु हथियार और

मिसाइल निरीक्षण के लिए न्यू स्टार्ट संधि के प्रावधानों के तहत रूसी सहयोग को रोक रहे हैं।

2010 में प्राग में नई स्टार्ट संधि पर हस्ताक्षर किए गए थे। 2021 में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के पदभार ग्रहण करने के ठीक बाद पांच और वर्षों के लिए बढ़ा दी गई। यह संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस द्वारा तैनात किए जा सकने वाले रणनीतिक परमाणु हथियारों की संख्या और उन्हें वितरित करने के लिए भूमि और पनडुब्बी आधारित मिसाइलों और बमवर्षकों की तैनाती को सीमित करता है।

राहुल गांधी ने माना...अयोग्यता का वास्तव में फायदा, भाजपा को इसका अहसास नहीं

वॉशिंगटन (एजेंसी)। कांग्रेस नेता और पूर्व सांसद राहुल गांधी ने कहा कि लोकसभा सांसद के रूप में उनकी अयोग्यता का वास्तव में फायदा हुआ क्योंकि इससे उन्हें खुद को परिभाषित करने का मौका मिला हैं। जबकि भाजपा को इसका एहसास भी नहीं हुआ। राहुल गांधी ने कहा इस अयोग्यता ने मेरे लिए नया आसमां खोल दिया है, मुझे खुद को पूरी तरह से फिर से परिभाषित करने का मौका मिला है। मुझे लगता है कि भाजपा ने मुझे एक उपहार दिया है, साफ कहूं तब मुझे नहीं लगता कि उन्हें इसका एहसास भी है।

पूर्व सांसद ने कहा, राजनीति सीधी रेखा की तरह नहीं है, यह पूरी तरह से एक अलग दिशा में जाती है, यह बेतरतीब होती है। इसलिए मुझे लगता है कि अभी स्पष्ट है कि उन्होंने मुझे एक उपहार दिया है..। इस साल मार्च में राहुल को उनके खिलाफ मानहानि के एक मामले में अदालत द्वारा दोषी करार देने और दो साल की सजा सुनाए जाने के बाद उन्हें सांसद के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया गया था। उन्होंने आरोप लगाया, मैं 1947 के बाद से भारतीय इतिहास में पहला व्यक्ति हूं, जिसे मानहानि के लिए सबसे बड़ी सजा दी गई है। मेरी अयोग्यता संसद में अडाणी पर मेरे भाषण के ठीक बाद हुई। इससे यह स्पष्ट होता हैं कि देश में क्या चल रहा है।

राहुल ने कहा कि उन्हें जान से मारने की धमकियों की चिंता नहीं है। कांग्रेस नेता ने कहा, मैं हत्या की धमकियों से चिंतित नहीं हूं। हर किसी को मरना है। यही मैंने अपनी दादी (इंदिरा गांधी) और पिता (राजीव गांधी) से सीखा है, आप ऐसी किसी चीज के लिए पीछे नहीं हटते।

बाइडेन बालू की बोरी से ठोकर खाकर गिरे, उम्र को लेकर बहस फिर छिड़ी

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के कोलोराडो में अमेरिकी वायु सेना अकादमी में कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति जो बाइडन मंच पर एक बालू की बोरी से ठोकर खाकर गिर पड़े। जिससे उनकी उम्र को लेकर बहस एक बार फिर से बढ़ गई। हालांकि बाइडेन को कुछ सेकंड के भीतर वापस उठा लिया गया और वे जल्दी से अपनी सीट वापस आ गए।

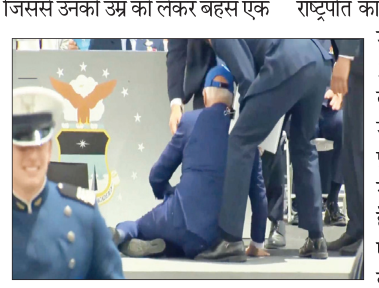

बाइडेन ने उठने में मदद किए जाने के बाद अपने पीछे कुछ इशारा किया। ऐसा लगता है कि बाइडेन टेलीप्रॉम्प्टर को रखने के लिए इस्तेमाल किए गए सैंडबैग पर फंस गए थे। वह बाद में अन्य अधिकारियों के साथ मिले और मुस्कुराते हुए 'थम्स अप' का संकेत किया। वहीं व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति बाइडेन का स्वास्थ्य अच्छा है। व्हाइट हाउस ने कहा कि राष्ट्रपति एक रेत से भरी एक बोरी से ठोकर खा गए थे। इसके पहले अपने भाषण में रूस और चीन की चुनौतियों का हवाला देकर बाइडेन ने नेवी के स्नातकों को चेतावनी दी कि वे तेजी से अस्थिर होती दुनिया के दौर में सेवा में प्रवेश करने वाले हैं।

गौरतलब है कि अमेरिका में राष्ट्रपति का पद संभालने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति बाइडेन 2024 में फिर से चुनावी दौड़ में हिस्सा ले रहे हैं। उनके प्रमुख रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डोनाल्ड ट्रम्प इस महीने 77 साल के हो गए हैं। इस फरवरी में डॉक्टरों ने एक शारीरिक जांच के बाद बाइडेन को स्वस्थ और ड्यूटी के लिए फिट घोषित किया। क्योंकि राष्ट्रपति बाइडेन शराब नहीं पीते हैं या तंबाकू का उपयोग नहीं करते हैं और हफ्ते में 'कम से कम' पांच बार कसरत करते हैं। पिछले जून में बाइडेन अपनी साइकिल से उतरते समय भी गिर गए थे, लेकिन उन्हें कोई चोट नहीं आई थी।

कई सर्वे में सामने आया है कि अमेरिका के लोग 75 साल से ज्यादा के किसी भी व्यक्ति के राष्ट्रपति बनने के बारे में लेकर चिंतित हैं। अमेरिका के रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र के डेटा से पता चलता है कि 65 वर्ष और उससे अधिक उम्र के वयस्कों में गिरना, घातक चोट लगने का एक बड़ा कारण है।

पाक में अब पीटीआई के अध्यक्ष परवेज इलाही भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार

लाहौर (एजेंसी)। अब पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के अध्यक्ष चौधरी परवेज इलाही को गुरुवार को भ्रष्टाचार के मामले में लाहौर के आवास के बाहर से गिरफ्तार कर लिया गया है। पंजाब के कार्यवाहक सूचना मंत्री आमिर मीर ने इलाही की गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए मीडिया से कहा कि उनको भ्रष्टाचार निरोधक प्रतिष्ठान ने पुलिस की सहायता से उनके जहूर इलाही रोड स्थित आवास के बाहर गिरफ्तार किया है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इलाही को कानून-व्यवस्था बिगाड़ने के तहत गिरफ्तार नहीं किया गया है। जैसा कि पीटीआई के कई अन्य सदस्यों और नेताओं को किया है। इससे पहले पीटीआई नेताओं और कार्यकर्ताओं को पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद 9 मई को हुए विरोध और तोड़फोड़ में शामिल होने के आरोपों में गिरफ्तार किया गया था।

उन्होंने कहा कि इलाही गिरफ्तारी से बचने की लगातार कोशिश कर रहे थे। उनकी जमानत एक

भ्रष्टाचार मामले में खारिज कर दी गई थी। वह इस मामले में वांछित थे और भागने की कोशिश करते हुए उन्हें कल उनके आवास के बाहर से गिरफ्तार कर लिया गया।

पंजाब के एसीई ने एक बयान में कहा कि इलाही कई मामलों में वांछित हैं और कुछ दिन पहले भ्रष्टाचार रोधी अदालत ने उनकी जमानत खारिज कर दी थी। एसीई ने दावा किया कि पीटीआई नेता ने जमानत के लिए अदालत में फर्जी चिकित्सा प्रमाणपत्र जमा किया था, लेकिन बयान में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि इलाही को किस मामले में गिरफ्तार किया गया है।

मीर ने कहा कि इलाही को गिरफ्तार करने की रणनीति के अंतर्गत पिछले कई दिनों से उनके आवास की घेराबंदी की गई थी। इलाही के प्रवक्ता इकबाल चौधरी ने आरोप लगाया कि अधिकारियों ने गिरफ्तारी के दौरान उनके साथ आई महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया।

मीर के मुताबिक पीटीआई नेता को अब अदालत में पेश किया जाएगा और उसके बाद उनकी कानूनी टीम को उनसे मिलने दिया जाएगा। इस बीच गिरफ्तारी के तुरंत बाद इलाही के पुत्र मूनिस इलाही ने कहा कि उनके पिता पीटीआई के साथ ही रहेंगे।

पीटीआई नेता फारुख हबीब ने इलाही की गिरफ्तारी को बदले की कार्रवाई करार दिया है। पीटीआई नेता बाबर अवान ने भी गिरफ्तारी की निंदा करते हुए कहा कि इलाही को उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह अपने परिवार के साथ थे और गिरफ्तारी से पहले उन्हें परेशान किया गया था।

मंगल ग्रह पर नहीं रह सकता है इंसान, अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने किया दावा

वाशिंगटन। अब अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने मंगल ग्रह पर जीवन की अरसे से चल रही तलाश को बड़ा झटका दे दिया है। दरअसल, नासा ने मंगल ग्रह पर तीन साल पहले इनसाइट लैंडर को भेजा था। नासा ने इससे मिले डाटा के आधार पर कहा है कि मंगल ग्रह पर ना तो इंसान रह सकता है और ना ही वहां जा सकता है। नासा के मुताबिक, मंगल ग्रह के केंद्र में भूकंपीय तरंगे मौजूद हैं। नासा को इनसाइट लैंडर से मिले डाटा के विश्लेषण से ये भी पता चला कि मंगल ग्रह के केंद्र पिघला हुआ लोहा और लोहे से बनने वाली कई धातुएं मौजूद हैं। इन धातुओं में सबसे ज?यादा सल?फर और ऑक्सीजन पाया गया है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, डाटा से पता चला कि करीब साढ़े चार अरब साल पहले मंगल ग्रह का निर्माण कैसे हुआ? इसी डाटा से वैज्ञानिकों ने पता लगाया कि मंगल और धरती में क्या अलग है? वहीं, दोनों के बीच समानताओं के बाद भी धरती पर जीवन होने और लाल ग्रह पर इंसानों के जीवित नहीं रह पाने के कारण भी स्पष्ट हो गए। अमेरिका की मैरीलैंड यूनिवर्सिटी में असिस्टेंट प्रोफेसर और शोधकर्ता वेदर्न लेकिक की टीम ने लाल ग्रह पर दो भूकंपीय घटनाओं पर नजर रखी। इनमें पहली घटना, मंगल ग्रह पर आने वाले भूकंप और दूसरी अंतरिक्ष से किसी चीज को भेजने पर हुई टक्कर से मंगल ग्रह के केंद्र में पैदा होने वाली भूकंपीय तरंगे शामिल थीं। भूकंप विज्ञानियों ने जानकारी जुटाई कि भूकंपीय तरंगों को लाल ग्रह की सतह पर मौजूद दूसरी तरंगों के साथ मंगल की कोर से गुजरने में कितना वक्त लगता है। फिर मिले डाटा का लाल ग्रह की दूसरी भूकंपीय घटना और पृथ्वी के डाटा से तुलनात्मक अध्ययन किया। इससे वैज्ञानिकों को मंगल ग्रह पर मौजूद पदार्थ के घनत्व और दबाव की क्षमता का पता चला। इसी से पता चला कि मंगल का केंद्र पिघला हुआ है। इसके उलट धरता के केंद्र की बाहरी परत ठोस, सख्त और अंदर से पिघली हुई है।

भारतीय मूल के अमेरिकी देव को मिला 2023 'स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी खिताब

वाशिंगटन (एजेंसी)। भारतीय मूल के 14 साल के अमेरिकी छात्र देव शाह ने 'स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी खिताब जीता है। देव ने 'सैमोफाइल शब्द की सही स्पेलिंग बताकर साल 2023 का ये 'स्क्रिप्स नेशनल स्पेलिंग बी खिताब हासिल किया। वहीं वर्जीनिया के अर्लिंगटन की रहने वाली शैर्लट वॉल्श (14) इस प्रतियोगिता में उपविजेता रहीं। खिताब विजेता देव फ्लोरिडा के लार्गो शहर में आठवीं कक्षा के छात्र हैं। उन्हें इस खिताब के साथ ही 50 हजार अमरीकी डॉलर की इनामी राशि भी हासिल की है। स्पेलिंग बी प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के बच्चों के लिए हैं। यह शब्दों के सही स्पेलिंग बताने से जुड़ी प्रतियोगिता है। मैरीलैंड के नेशनल हार्बर में आयोजित इस प्रतियोगिता में देव ने कहा, ' खिताब जीतने का यह अहसास अद्भुत है। एक रिपोर्ट के अनुसार शाह ने 'सैमोफाइल के सही स्पेलिंग बताकर इस प्रतियोगिता में जीत दर्ज की। गौरतलबह है कि 'सैमोफाइल रेतीले क्षेत्रों में पाए जाने वाले पौधे या जानवर होते हैं। देव तुरंत ही इस शब्द को पहचान गए थे, लेकिन फिर भी पूरी तरह से संतुष्ट होने के लिए उन्होंने इससे जुड़े कुछ सवाल पूछे। उन्होंने पूछा, 'ग्रीक में सैमो का मतलब रेत है? और 'फाइल का मतलब प्यार है? देव ने तीसरी बार इस प्रतियोगिता में हिस्सा लिया था। गौरतलब है कि इससे पहले वह 2019 और 2021 में इस प्रतियोगिता में शामिल हुए हैं।

शाह की जीत के बाद उनके माता-पिता भी खुशी के साथ ही बेहद भावुक नजर आए। उनकी मां ने कहा कि वह पिछले चार साल से इसके लिए मेहनत कर रहा था। प्रारंभिक दौर की प्रतियोगिता मंगलवार को आयोजित की गई, जबकि क्वार्टर फाइनल और सेमीफाइनल बुधवार को हुए।

6 गांव के 45 लोगों ने हिन्दू धर्म छोड़कर अपनाया बौद्ध धर्म, महिला, पुरुष और बच्चे शामिल

पाटन। जिले के 6 गांव के महिला, पुरुष और बच्चे समेत 45 लोगों ने एक साथ हिन्दू धर्म छोड़कर बौद्ध धर्म अंगीकार कर लिया। बौद्ध धर्म अपनाने वालों को कहना है कि आज भी उनके क्षेत्र में उन्हें अछूत माना जाता है, इसलिए हिन्दू धर्म छोड़ने का फैसला किया है। जिला कलेक्टर ने जब धर्म परिवर्तन करने वालों को जवाब तलब किया तो उन्होंने अपना जवाब भी दे दिया। जानकारी के मुताबिक पाटन जिले की सरस्वती तहसील के चारूप, वासणी, वदाणी, वागडोद, कोऑइटा और कानोसरण गांव के 45 लोगों ने एक साथ धर्म परिवर्तन कर लिया। सभी ने हिन्दू धर्म त्यागकर बौद्ध धर्म अंगीकार कर लिया। धर्म परिवर्तन करने वाले लोगों में महिला, पुरुष और बच्चे शामिल हैं7 धर्म परिवर्तन करने वालों का कहना है कि आजादी के बाद भी अनुसूचित समाज के बारात नहीं निकाल सकते। बाबुलाल रोहित के मुताबिक 21वीं सदी में पाटन जिले के कई गांव में अस्पृश्यता बरकरार है। छूआछूत और असमानता से परेशान होकर अनुसूचित जाति के लोगों ने धर्म परिवर्तन का फैसला किया है। साथ ही यह भी कहा कि बौद्ध धर्म में समानता है।

राजौरी जिले में मुठभेड़, सुरक्षा बलों ने एक आतंकी को ढेर किया

राजौरी। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में शुक्रवार सुबह सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया। राजौरी के पास वन इलाके में संदिग्ध गतिविधि देखने के बाद सेना और पुलिस ने एक संयुक्त घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया था। रक्षा अधिकारी ने कहा कि आतंकवादियों के सुरक्षा बलों पर गोलीबारी करने के बाद तलाशी अभियान मुठभेड़ में बदल गया। जम्मू-कश्मीर के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) मुकेश सिंह ने कहा कि एक आतंकवादी मारा गया और मुठभेड़ अभी जारी है। सेना और पुलिस ने पहले आतंकियों को जिंदा पकड़ने की कवायद शुरू की और पहले आतंकियों को आत्मसमर्पण करने के लिए कहा। मगर आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर गोली चला दी। जिसके बाद सुरक्षाबलों ने भी गोली का जवाब दिया और मुठभेड़ शुरू हो गई। सेना ने आतंकियों को चारों तरफ से घेरकर गांव के लोगों की आवाजाही बंद कर दी गई है। गौरतलब है कि पुंछ-राजौरी में पांच महीनों में तीन हमलों के बाद भी आतंकी सुरक्षा बलों के हत्थे नहीं चढ़ रहे थे। वे अपने स्थानीय मददगारों की सहायता से हमला कर भागने में हर बार सफल होते रहे। इन पांच महीनों में पुलिन ने कई लोगों को गिरफ्तार किया।

भारतीय मौसम विभाग ने बताया, 4 जून से बिहार और बंगाल में बारिश की संभावना

नई दिल्ली। भारतीय मौसम विभाग के अनुसार दिल्ली एनसीआर में इस साल प्री-मानसून बारिश ने मई-जून की तपती गर्मी से राहत दी है। पश्चिमी विक्षोभ के कारण कुछ इलाकों में 2-3 दिनों से तेज हवाओं के साथ आंधी चल रही है। इससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में कहा है कि 8 जून के बाद मौसम पूरी तरह सामान्य हो जाएगा। लोगों को लू का प्रकोप सहना पड़ेगा। बिहार में इन दिनों भीषण गर्मी का प्रकोप है। हालांकि, मौसम विभाग ने बताया कि पश्चिम बंगाल और बिहार में 4 जून से बारिश की संभावना दिख रही है। पूर्वानुमान को देखकर इन दोनों राज्यों को येलो अलर्ट पर रखा गया है। इन राज्यों के लोगों को जागरूक रहने का आग्रह किया गया है। आईएमडी के मुताबिक, मई का महीना दिल्ली-एनसीआर में ठंडा साबित हुआ। इस महीने का औसत तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा। सिर्फ एक दिन 22 मई को ही अधिकतम तापमान 43.7 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया था। मई में लू भी ज्यादा दिनों तक नहीं चलेगी। पिछले साल मई में 20 दिनों तक तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा था और अधिकतम तापमान 45 डिग्री को पार कर गया था। निजी मौसम एजेंसी के मुताबिक, अगले 24 घंटों में पश्चिमी हिमालय, पंजाब के कुछ हिस्सों, दक्षिण कर्नाटक, आंध्र प्रदेश के तटीय हिस्सों और लक्षद्वीप में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। वहीं, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली के कुछ हिस्सों में भी हल्की से मध्यम बारिश और धूल भरी आंधी चलने की संभावना है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पश्चिम मध्य प्रदेश और गुजरात के उत्तरी हिस्सों, दक्षिण मध्य महाराष्ट्र में भी एक-दो स्थानों पर हल्की बारिश संभव है।

अब भी एसटीएफ की पकड़ से दूर हैं उमेश पाल के हत्यारे शूटर गुड्डू मुस्लिम व साबिर

प्रयागराज। यूपी के चर्चित हत्याकांड उमेश पाल व उसके 2 सुरक्षाकर्मियों की हत्या में फरार शूटरों की तलाश का अब दूसरा चरण शुरू हो गया है। 5-5 लाख के इनामी शूटरों गुड्डू मुस्लिम और साबिर की सटीक लोकेशन के लिए एसटीएफ की टीम ने जाल बिछाना शुरू कर दिया है। उनके बारे में अलग-अलग स्थान से सुराग भी जुटाए जा रहे हैं। शूटरों के अलावा अतीक की बीवी शाइस्ता और उसके सहयोगियों के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। जयंतीपुर सुलेम सराय में 24 फरवरी को उमेश पाल और उसके सुरक्षाकर्मियों की गोली, बम मारकर हत्या की गई थी। वारदात में शामिल अतीक के बेटे असद और शूटर गुलाम को एसटीएफ की प्रयागराज टीम ने झांसी में मुठभेड़ के दौरान मार गिराया था। इससे पहले पुलिस ने शूटर उस्मान चौधरी व चालक अरबाज को भी एनकाउंटर में ढेर कर दिया था। मुठभेड़ की जांच के लिए न्यायिक आयोग गठित किया गया। आयोग के सामने मुठभेड़ में शामिल एसटीएफ की टीम का कई दिन तक बयान हुआ, जिसके चलते बाकी शूटरों की तलाश बंद हो गई थी। ऐसे में अब एक बार फिर से एसटीएफ की टीम ने शूटरों की तलाश तेज की है। सूत्रों का कहना है कि टीम दिल्ली, गोवा और कोलकाता सहित अन्य स्थानों से सुराग जुटा रही है। कई करीबियों के मोबाइल नंबर सर्विलांस पर लगाए गए हैं।

केंद्रीय परिवहन मंत्री गडकरी का खुद का यूट्यूब चैनल, करते हैं हर माह मोटी कमाई

नई दिल्ली। केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी भी यूट्यूब चैनल चलाते हैं। सिर्फ चलाते ही नहीं, बल्कि उससे मोटी कमाई भी करते हैं। इसका खुलासा खुद गडकरी ने कर बताया कि वे यूट्यूब के जरिये हर महीने कितने रुपये की कमाई करते हैं। यूट्यूब पर उनके लाखों सब्सक्राइबर भी हैं। गडकरी ने बताया है कि उनके यूट्यूब चैनल पर किस तरह के वीडियो होते हैं और सबसे ज्यादा कौन से वीडियो पसंद किए जाते हैं। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि साल 2015 में उन्होंने अपना चैनल शुरू किया था। इस पर अपने सभी भाषण, प्रेस कांफ्रेंस और मीडिया को दिए बयानों का वीडियो जारी करते हैं। उनके हर वीडियो पर हजारों की संख्या में व्यूज आते हैं और अभी तक 5.27 लाख लोगों ने उनका चैनल सब्सक्राइब भी किया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कोई भी परफेक्ट नहीं होता है। उन्हें भी कई बार लगा कि कुछ समस्या है, उनके चैनल में और इस लगातार सुधारने की कोशिश कर रहे हैं। कोई भी परफेक्ट नहीं होता है। सिस्टम को सुधारने की प्रक्रिया में फाइनेंशियल ऑडिट बहुत जरूरी है, लेकिन उससे भी ज्यादा जरूरी है कि परफॉर्मेंस ऑडिट किया जाना। केंद्रीय मंत्री इसके पहले भी बता चुके हैं कि वह हर महीने यूट्यूब चैनल के जरिये 4 लाख रुपये की कमाई करते हैं। जी हां, यूट्यूब से रॉयल्टी के तौर पर उन्हें 4 लाख रुपये हर महीने दिए जाते हैं। महामारी के दौरान उनके लेक्चर की संख्या यूट्यूब और जबरदस्त तरीके से बढ़ गई थी। उन्होंने कोरोना महामारी के दौरान घर में कैद रहने के अनुभवों को भी साझाकर कई मजेदार किस्से बताए। गडकरी ने बताया कि कोरोना के दौरान उन्होंने खुद को घर में कैद कर लिया लेकिन जनता से अपना जुड़ाव नहीं बंद किया। इस दौरान घर में खाना बनाया और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा लेक्चर भी दिए। इस दौरान 950 ऑनलाइन लेक्चर्स दिए।

लोकसभा चुनाव 2024: विपक्ष की बैठक से पहले जीतन राम मांझी ने बढ़ाई टेंशन

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर विपक्षी एकजुटता की कवायद लगातार जारी है। 12 जून को इसको लेकर एक बड़ी बैठक पटना में होने जा रही है जिसकी मेजबानी बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार करेंगे। हालांकि, इस बैठक से पहले ही बिहार के पूर्व सीएम और हम के अध्यक्ष जीतन राम मांझी ने विपक्षी दलों की टेंशन बढ़ा दी हैं। बिहार में सत्ता में सझीदार मांझी ने साफ तौर पर कहा है कि उन्हें आम चुनाव में पांच लोकसभा की सीटें लड़ने के लिए मिलनी चाहिए।

मांझी की मांग

जीतन राम मांझी ने कहा कि हम गठबंधन के तहत सूबे की पांच सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कह दिया कि पांच सीटें हमारी पार्टी के लिए कम हैं। उन्होंने दावा किया कि हम सारी सीटों पर तैयारी कर रहे हैं। मांझी ने कहा कि हमने नीतीश के साथ रहने का वादा किया है और वह एकदम साथ हैं। उन्होंने कहा कि अगर नीतीश कुमार सम्मानजनक सीट देते हैं तो ये गठबंधन के लिए बहुत ही अच्छा होगा। उन्होंने यह भी कहा है कि 5 सीटें तो हमारे लिए काफी कम है लेकिन गठबंधन के लिहाज से हम इतने पर संतोष कर सकते हैं। हम लोग बहुत सीटें जीतेंगे। उन्होंने विपक्षी एकता को लेकर नीतीश कुमार का धन्यवाद भी किया।

12 जून को बैठक

जानकारी के मुताबिक से नीतीश कुमार लगातार विपक्ष एकता की कवायद में जुटे हुए हैं। इसी कड़ी में वह 12 जून को पटना में विपक्षी दलों की बैठक करने वाले हैं। इस बैठक में 18 दलों के नेता शामिल हो सकते हैं। ऐसा दावा किया जा रहा है। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेता इसमें शामिल होंगे। अखिलेश यादव ने अपनी ओर से हामी भर दी है। इसके अलावा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, तृणमूल कांग्रेस, शिवसेना यूबीटी के भी नेता इसमें शामिल होंगे। 2024 चुनाव से पहले विपक्षी एकजुटता को लेकर यह बड़ा प्रदर्शन होगा। इसमें विपक्षी दलों की ओर से आगे की रणनीति पर चर्चा भी की जाएगी। लेकिन उससे पहले मांझी का यह बयान नीतीश कुमार के टेंशन को जरूर बढ़ा दिया होगा।

महिला पहलवानों के प्रदर्शन के कारण देश की छवि को नुकसान हो रहा : अखिलेश यादव

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के प्रमुख और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा द्वारा महिला पहलवानों के प्रति अनादर के खुलेआम प्रदर्शन से देश की छवि को बहुत नुकसान पहुंचा है। इतना ही नहीं यह पार्टी की सामंती मानसिकता का स्पष्ट संकेत है, जो दुनिया में लोकतांत्रिक भारत की छवि पर धब्बा है। उन्होंने कहा, शोषण, उत्पीड़न और विरोध की आवाजों को जबरन चुप कराने की खबरें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित हो रही हैं और विश्व समुदाय के सामने भारत का नाम खराब कर रही हैं। उन्होंने कहा, बीजेपी ने लोकतंत्र को शर्मसार किया है। अखिलेश ने मीडिया रिपोर्टों का हवाला दिया कि कैसे महिला पहलवानों ने एक शक्तिशाली शख्स पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया और नई दिल्ली में विरोध स्थल से निकाले जाने के बाद अपना ओलंपिक पदक गंगा में फेंकने और भूख हड़ताल शुरू करने के लिए चली गईं। अखिलेश ने कहा, एक तरफ जब चुनाव नजदीक होते हैं, तब बीजेपी बेटी पढ़ाओ, बेटी बचाओ की बात करती है और जब ये लड़कियां उत्पीड़न और शोषण के खिलाफ आवाज उठाती हैं, तब सरकार उनके साथ ऐसा व्यवहार करती है।

2024 तक देश के सभी हाईवे अमेरिका के जैसे होंगे : केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी

- अहमदाबाद से वापी के बीच फोर लेन हाईवे सिक्स लेन में तब्दील किया जाएगा

वडोदरा (एजेंसी)। केन्द्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने आज वडोदरा में बड़ी बात कही। उन्होंने कहा कि 2024 तक देश के प्रत्येक हाईवे अमेरिका जैसे होंगे। भारत ऊर्जा आयात करने वाला नहीं बल्कि ऊर्जा निर्यात करने वाला देश बनेगा। नितिन गडकरी वडोदरा में रु. 48 करोड़ की लागत से बने दुमाड और देणा दो फ्लाई ऑवर ब्रिज के लोकार्पण कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि व्यवसाय के लिए ज्यादातर गुजराती मुंबई अपडाउन करते हैं। उसमें कई ऐसे भी हैं जो सुबह की ट्रेन में मुंबई जाते हैं और शाम को लौट आते हैं। ऐसे लोगों को अब मुंबई जाना काफी आसान होगा। क्योंकि फिलहाल अहमदाबाद से वापी तक का हाईवे फोर लेन है, जिसे सिक्स लेन बनाने का आज ही आदेश दिया है। सिक्स लेन हाईवे के साकार होने से अहमदाबाद से मुंबई की दूरी केवल 6 घंटों में तय की जा सकेगी। नितिन गडकरी ने कहा कि मैं रु. 1000 करोड़ से कम लोकार्पण के काम में नहीं जाता। वडोदरा की सांसद रंजन भट्ट के आग्रह पर आज वडोदरा आया हूं। छाणी के निकट नेशनल हाईवे पर अंडर पास बनाने की भी मंजूरी दे दी है। सेतु बंधन योजना में गुजरात के लिए रु. 1000 करोड़ मंजूर किए हैं। साथ ही स्टेट हाईवे के लिए रु. 3000 करोड़ को मंजूरी भी कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि पहले दिल्ली से मुंबई की दूरी तय करने में 36 घंटे लगते थे, लेकिन अब हाईवे के बन जाने से केवल 12 घंटे लगेंगे। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि हम सूरत से नासिक, अहमदनगर से कन्याकुमारी तक हाईवे तैयार कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश में हर साल 5 लाख लोग दुर्घटना का शिकार होते हैं, जिसमें करीब डेढ़ लाख लोगों की मौत हो जाती है। गुजरात में 88 प्रतिशत ब्लैक स्पोट सुधारे हैं, जिससे 22 प्रतिशत दुर्घटनाओं में कमी आई है। उन्होंने कहा कि गुजरात पुलिस नेशनल हाईवे पर ब्लेक स्पोट खोजकर बताए, उसने सुधारने की मैं गारंटी देता हूं। नितिन गडकरी ने कहा कि गुजरात एक समृद्ध और प्रगतिशील राज्य है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात का काफी विकास किया है। अगर इन्फ्रास्ट्रक्चर अच्छा नहीं होगा तो विकास नहीं हो सकता। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना मैं तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को बनाकर दी थी। भारत के लाखों गांव इस योजना से जुड़े हैं। पहले देश में स्कूल की बिल्डिंग थी तो शिक्षक नहीं थे। शिक्षक थे तो बिल्डिंग नहीं थी और दोनों ही थे तब विद्यार्थी नहीं थे। जब तीनों थे तब शिक्षा नहीं थी। उन्होंने कहा कि हम गुजरात में रु. 2 लाख करोड़ का काम कर रहे हैं।

केंद्र सरकार के अध्यादेश के खिलाफ कांग्रेस ने अभी भी सधी चुप्पी

-केजरीवाल ने खरगे और राहुल गांधी से मुलाकात का समय मांगा

सांबा/जम्मू (एजेंसी)। नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल इन दिनों मोदी सरकार द्वारा लाए गए अध्यादेश के खिलाफ विपक्षी नेताओं को लामबंद करने में जुटे हुए हैं। केजरीवाल अब तक कई विरोधी दलों का समर्थन जुटा चुके हैं। बताया जा रहा है कि केजरीवाल चाहते हैं कि केंद्र द्वारा लाए अध्यादेश के राज्यसभा में निरस्त करवा दिया जाए, जिससे वह कानून का रूप नहीं ले सकेगा। इसके बाद फिर से दिल्ली के बॉस बन जाएंगे और इसके लिए वह बीते 15 दिनों से कड़ी मशक्कत करते हुए नजर आ रहे हैं।

केजरीवाल अब तक जेडीयू, आरजेडी, टीएमसी, शिवसेना (यूबीटी), एनसीपी, बीआरएस और सीपीआई (एम) के साथ-साथ द्रविड मुनेत्र कड़गम (डीएमके) ने अध्यादेश के खिलाफ उनका साथ देने का वादा किया है। वहीं, केजरीवाल ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के साथ साझा प्रेस वार्ता कर कहा कि हमने दिल्ली सरकार के खिलाफ केंद्र के अध्यादेश पर चर्चा की। यह अलोकतांत्रिक और असंवैधानिक है। मुख्यमंत्री स्टालिन ने आश्वासन दिया है कि डीएमके आप और दिल्ली के लोगों के साथ खड़ी रहेगी।

विपक्षी दलों को लामबंद करने की कड़ी में केजरीवाल ने कई दलों के नेताओं से मुलाकात की है और दलों के नेताओं ने केजरीवाल का साथ देने का वादा भी कर दिया है, लेकिन अभी तक कांग्रेस ने अपने पत्ते नहीं खोले हैं। साथ ही केजरीवाल ने इसी मुद्दे पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी से भी मिलने का समय मांगा है। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने दिल्ली सरकार और केंद्र की लड़ाई का फैसला 11 मई को आम आदमी पार्टी सरकार के पक्ष में दिया था। कोर्ट के फैसले के बाद राष्ट्रीय राजधानी के अफसरों का नियंत्रण केजरीवाल सरकार के हाथ आ गई थी। सुप्रीम कोर्ट की संविधान पीठ ने कहा कि सेवाओं से जुड़े विभाग के मामलों पर विधायी और कार्यकारी शक्तियां दिल्ली की निर्वाचित सरकार के पास हैं। जबकि भूमि, पुलिस और सार्वजनिक व्यवस्था से संबंधित मामले पूर्व की तरह उपराज्यपाल के अधिकार क्षेत्र में ही रहने वाले हैं।

मनीष सिसोदिया को राहत, पत्नी से मिलने की इजाजत, जमानत पर फैसला सुरक्षित

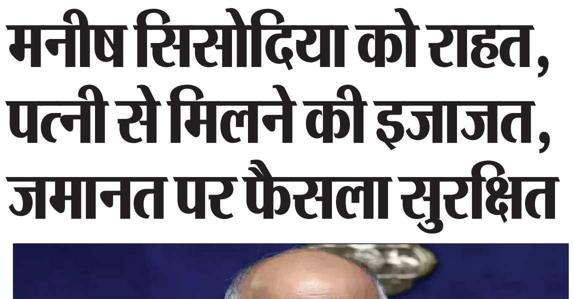

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया को दिल्ली आबकारी नीति मामले में अंतरिम राहत मिली है। उन्हें 3 जून को हिरासत में रहते हुए सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक अपनी बीमार पत्नी से मिलने की अनुमति दी गई है। सिसोदिया की याचिका पर सुनवाई कर रही दिल्ली उच्च न्यायालय ने अंतरिम जमानत याचिका में कल तक पत्नी का मेडिकल रिकॉर्ड भी मांगा है। हालांकि, सिसोदिया, जिन्हें मामले में गिरफ्तारी के बाद दिल्ली के उपमुख्यमंत्री के पद से हटा दिया गया था, उन्होंने अपने परिवार के सदस्यों के अलावा किसी से भी नहीं मिल पाएंगे। उन्हें इंटरनेट का इस्तेमाल करने या मीडिया से बातचीत करने की भी अनुमति नहीं होगी। इसके साथ ही कोर्ट ने आम आदमी पार्टी के कम्युनिकेशन इंचार्ज विजय नायर की ज़मानत अर्जी पर भी आदेश सुरक्षित रखा है। कथित भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग को लेकर आप के वरिष्ठ नेता की सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय द्वारा जांच की जा रही है।

पिछले 60 वर्षों में भारत में कुछ भी अच्छा नहीं, शशि थरूर ने किया राहुल की टिप्पणियों का बचाव

बीजेपी को याद दिलाया पीएम मोदी का बयान

टोंक (एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने भारत के लोकतंत्र पर लंदन में पार्टी के पूर्व प्रमुख राहुल गांधी की टिप्पणी का बचाव करते हुए कहा कि यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) थे जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश के आंतरिक मामलों पर चर्चा करने की प्रवृत्ति शुरू की थी। देश के भीतर राजनीतिक मतभेद सीमा तक ही सीमित होने चाहिए। हालाँकि, यह भी एक तथ्य है कि इसे तोड़ने वाले सबसे पहले भाजपा और मोदी जी थे। यह पीएम मोदी ही थे जिन्होंने अंतरराष्ट्रीय मंच पर यह टिप्पणी की थी कि पिछले 60 वर्षों में भारत में कुछ भी अच्छा नहीं हुआ।

तिरुवनंतपुरम से लोकसभा सदस्य ने कांग्रेस के राष्ट्रपति चुनाव के बारे में भी बात की जिसमें वह पार्टी के दिग्गज नेता मल्लिकार्जुन खड़गे से हार गए थे। 2022 में कांग्रेस के राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के अपने फैसले को लेकर पार्टी में मनमुटाव की खबरों के बारे में पूछे जाने पर थरूर ने इसे महज अफवाह बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि उन्होंने तत्कालीन कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा के साथ इस पर चर्चा की थी। उन्होंने कहा कि मैं अपना नामांकन दाखिल करने से पहले उन तीनों से मिला था और अगर उन्होंने पार्टी में एकता बनाए रखने के लिए इसके खिलाफ सलाह दी थी, तो मैं हार मानने को तैयार था। हालांकि, उन्होंने ऐसा कभी नहीं कहा। वास्तव में, उन्होंने मुझे प्रेरित किया। मल्लिकार्जुन खड़गे जीत गए और मैं फैसले का सम्मान करता हूं।

रिजिजू ने राहुल गांधी के बयान को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने इंडियन मुस्लिम लीग पार्टी को धर्मनिरपेक्ष बताया था। अब रिजिजू ने राहुल के बयान को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। इसके साथ ही रिजिजू ने यह भी पूछा कि मोहम्मद अली जिन्ना की मुस्लिम लीग जो धार्मिक आधार पर भारत के विभाजन के लिए जिम्मेदार थी धर्मनिरपेक्ष पार्टी कैसे हो सकती है। गौरतलब है कि राहुल गांधी अमेरिका दौरे पर हैं और उनसे इंडियन मुस्लिम लीग को लेकर सवाल पूछा गया था। कांग्रेस नेता राहुल गांधी से केरल में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के साथ कांग्रेस के गठबंधन के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि मुस्लिम लीग पूरी तरह से धर्मनिरपेक्ष पार्टी है, मुस्लिम लीग के बारे में कुछ भी गैर-धर्मनिरपेक्ष नहीं है। केरल में कांग्रेस का इंडियन मुस्लिम लीग पार्टी से गठबंधन है। हालांकि राइटविंग मुस्लिम लीग पर आक्रामक रहता है। मुस्लिम लीग के लोकसभा में 3 सांसद हैं, जबकि राज्यसभा में एक सांसद है।

लोकसभा चुनावों से पहले यूपी में निजी एजेंसी से सर्वेक्षण करवा रही है भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगले साल होने वाले लोकसभा चुनावों के लिए अपने अभियान की रणनीति बनाने के लिए सत्तारूढ़ भाजपा एक निजी एजेंसी द्वारा यूपी के सभी 80 संसदीय क्षेत्रों का सर्वेक्षण करवा रही है। सूत्रों के अनुसार भाजपा का अंदरूनी सर्वेक्षण एक प्रक्रिया होगी, जिसमें एजेंसी हर 3 माह बाद पार्टी के राज्य और केंद्रीय नेतृत्व को अपनी रिपोर्ट देगी।

इसको लेकर बहुत ज्यादा जानकारी नहीं मिसी है। जानकारी के मुताबिक पार्टी का यह सर्वे 3 मुख्य पहलुओं पर होगा।

इसमें पहला है जमीन पर बीजेपी की स्थिति। दूसरा लोगों के बीच कौन का राजनीतिक मुद्दा हावी है और तीसरा हर लोकसभा सीट पर विपक्षी दलों की स्थिति। इसमें केंद्र और राज्य में भाजपा सरकारों के प्रदर्शन पर मतदाताओं की राय एकत्र करना, हमारे मौजूदा सांसदों का उनके संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में प्रदर्शन, हर निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के अन्य संभावित उम्मीदवारों और विपक्षी दलों की स्थिति भी शामिल होगी।

भाजपा सूत्रों के मुताबिक केंद्र और राज्य सरकारों की नीतियों और कल्याणकारी कार्यक्रमों, स्थानीय प्रशासन की कार्यशैली, जनता से जुड़ाव और स्थानीय भाजपा सांसद की प्रतिष्ठा और उनका लोगों से जुड़ाव के बारे में स्थानीय मतदाताओं की राय जानकर किसी निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकेगा। पार्टी स्थानीय सामाजिक और जातीय समीकरणों के अनुसार अन्य संभावित उम्मीदवारों के नाम भी एकत्र करेगी। भाजपा सरकार बड़ी संख्या में कल्याणकारी योजनाएं चला रही है और यूपी में कई करोड़ लोग इन योजनाओं से लाभान्वित हुए हैं।

इन योजनाओं पर प्रतिक्रिया के अलावा विपक्षी दलों द्वारा उठाए गए मुद्दों के प्रभाव का भी आकलन किया जाएगा। पार्टी को उम्मीद है कि जब एक भव्य समारोह में मंदिर भक्तों के लिए खोला जाएगा, तो लोगों का मूड भाजपा के पक्ष में होगा, जिससे सत्ता विरोधी लहर को कम किया जा सकेगा। सर्वेक्षण में राम मंदिर के संभावित प्रभाव और राज्य के अन्य मंदिरों के विकास का भी आकलन किया जाएगा। इसी तरह दुनिया में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा और

सुशासन उपायों के प्रभाव का भी आकलन किया जाएगा। पार्टी में चुनाव प्रबंधन से जुड़े एक नेता ने कहा कि इस तरह का सर्वे चुनाव तक चलता रहेगा और सर्वे टीम हर तीन महीने के बाद हर लोकसभा सीट की रिपोर्ट देगी।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

समस्या आपकी हमें भेजे

अपने क्षेत्र में समस्याएं
हमें लिखे या बताएँ
और समस्याएं का हल
संबंधित विभाग से मिलेगा
मोबाईल:-9879141480
या फोटा, वीडियो हमें भेजे

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार
संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार
भारत के अन्य राज्यों में जिला ब्यूरों
और अन्य शहर, ग्राम में पत्रकारों
की नियुक्त के लिए आवेदन कर सकते है

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-krantisamay@gmail.com